सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

मिल सकती है फूलों-सी कोमल काया पेज: 7

बॉलीवुड छोडड्डा चाहती थीं यामी गौतम माता-पिता ने बहुत पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 125 | शनिवार 08 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

प्रियंका गांधी ने मोहन भागवत की टिप्पणी पर कहा, जेन-जी को किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर-एसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत की एक टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को कहा कि जेन-जी को उनसे किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। प्रियंका गांधी ने संसद प-रसर में भागवत की टिप्पणी से जुड़े सवाल पर संवाददाताओं से कहा, जेन-जी को मोहन भागवत जी से किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा था कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है, लेकिन इसका मकसद विभाजन पैदा करने के बजाय आम सहमति बनाना होना चाहिए। भागवत ने मुंबई में इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशन्स (आईआईएमयूएन) के 15वें वर्षगांठ कार्यक्रम में जेन-जी और जेन अल्फा के लगभग 2,000 सदस्यों को संबोधित करते

मोहन भागवत के जेन जी बयान पर विपक्षी दलों ने बीजेपी के दोहरे रवैये पर उठाए सवाल

मुंबई एजेंसी: सात अगस्त राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से शुक्रवार को सवाल किया कि जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि जेन-जी को राष्ट्र विरोधी नहीं करार देना चाहिए तो भाजपा नेताओं ने युवा प्रदर्शनकारियों पर हमला क्यों किया? राकांपा (शप) और कांग्रेस ने भाजपा और इसके वैचारिक संगठन, आरएसएस पर दोहरे मानदंड की राजनीति करने का आरोप लगाया। भागवत ने मुंबई में इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशन्स (आईआईएमयूएन) के 15वें वर्षगांठ कार्यक्रम में बृहस्पतिवार को जेन-जी और जेन अल्फा के लगभग 2,000 सदस्यों को संबोधित करते

हुए कहा, अगर जेन-जी के लोग विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, तो वे राष्ट्र विरोधी नहीं हैं। इतिहास वे हमारे ही लोग हैं। वे हमारी अगली पीढ़ी हैं। आपको उनसे बातचीत करने और बेहतर तालमेल बनाने की जरूरत है। जेन-जी 1997 से 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी है जबकि जेन-अल्फा कहे जाने वाले बच्चों का जन्म 2013 से 2025 के बीच हुआ है। राकांपा (शप) के प्रवक्ता महेश तापसे ने एक बयान में कहा कि देश संघ परिवार के दो बिल्कुल अलग-अलग चेहरे देख रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि जहां एक ओर भागवत ने यह कहा कि जेन जी को राष्ट्र विरोधी नहीं कहना चा-हए, वहीं दूसरी तरफ भाजपा के कई बड़े नेताओं -- जिनमें सांसद निशि-ाकांत दुबे और कंगना रनौत शामिल हैं -- ने नीट विवाद को लेकर हुए देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी युवाओं पर सार्वजनिक रूप से गंभीर आरोप लगाए थे।

कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा है......

संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा जेन-जी को राष्ट्र विरोधी न बताने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा है। विपक्षी नेताओं ने सवाल किया कि यदि आरएसएस प्रमुख युवाओं से संवाद की वकालत कर रहे हैं

उन्होंने सवाल किया, इस विरोधाभास को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत के युवाओं को यह जानने का हक है कि कौन सा चेहरा आरएसएस की असली विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है? तापसे ने कहा, यह सोच-समझकर बनाई गई राजनीतिक रणनीति लगती है -- एक तरफ सरकार की छवि को उदार बनाने की कोशिश की जाती है, तो दूसरी ओर असहमति की आवाज को डराने-धमकाने, ध्रुवीकरण करने और उसे (असहमति की आवाज को) अवैध ठहराना जारी रहता है। भारत के युवा इस दोहरे मानदंड वाले रवैये से गुमराह नहीं हो सकते। र-ाकांपा(शप) नेता ने कहा कि अगर भागवत का सचमुच में मानना है कि जेन-जी संवाद, सम्मान और भरोसे के हकदार हैं, तो नैतिक रूप से सही यही होगा कि वह भाजपा के उन नेताओं की सार्वजनिक रूप से आलोचना करें, जिन्होंने बार-बार उन युवा भारतीयों की नीयत और देशभक्ति पर सवाल उठाए हैं। तापसे ने कहा, आरएसएस और भाजपा दो अलग-अलग बातें नहीं कह सकते और साथ ही यह उम्मीद भी नहीं कर सकते कि देश उन पर भरोसा करेगा। राजनीतिक विमर्श के जरिए भारत के युवाओं को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि युवा भारतीय अच्छी शिक्षा, पारदर्शी पर-ीक्षा, रोजगार के अवसर और शासन में जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। राकांपा (शप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने कहा कि भाजपा और उसके समर्थक अब जेन-जी की लोकप्रियता का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यजब इन शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज हुआ

झारखंड जेपीएससी-जेएसएससी विवाद पर सीएम सोरेन बोले- सिस्टम की खामियां दूर करेंगे, बड़े सुधार होंगे

झारखंड एजेंसी: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को रांची में प्रदर्शन कर रहे जेपीएससी और जेएसएससी उम्मीदवारों से मिले। उन्होंने बातचीत के लिए सरकार की तत्परता और छात्रों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए जरूरी सुधार लागू करने की प्रतिबद्धता जताई। राज्य में भर्ती परीक्षाओं को लेकर जयपाल सिंह स्टेडियम में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच मुख्यमंत्री ने ये बातें कहीं। सीएम सोरेन ने कहा कि हमने बातचीत का एक तरीका पहले ही तय कर लिया है। हम बातचीत के लिए तैयार हैं। सरकार हर छात्र की समस्याओं को समझने के लिए उत्सुक है। अब हम छात्रों की बातों को जयपाल सिंह स्टेडियम की सीमाओं से बाहर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। सोरेन ने सिस्टम

से जुड़ी समस्याओं को हल करने के सरकार के मकसद पर जोर देते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसे बड़े और मजबूत सुधारों के साथ आगे बढ़ना है जो छात्रों की उम्मीदों को उनकी जरूरतों के हिसाब से पूरा करें। विरोध प्रदर्शन के दौरान, जेएलकेएम विधायक जयराम महतो ने जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा से जुड़े एक मामले और जेएसएससी सीजीएल नतीजों से उसके संबंध का हवाला देते हुए चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए। महतो ने आरोप लगाया कि यह मांग जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के संबंध में है। इस मामले में आरोपी व्यक्ति ने दूसरी रैंक के साथ जेएसएससी सीजीएल परीक्षा पास की थी और उसके परिवार के कई सदस्यों ने भी यह परीक्षा पास की थी। उन्होंने उम्मीदवार के परीक्षा इतिहास की गहन जांच की मांग करते हुए कहा कि इसलिए, जिन परीक्षाओं में वह शामिल हुआ था, साथ ही संबंधित कंपनी द्वारा आयोजित परीक्षाओं की भी जांच होनी चाहिए। इस बीच, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा शुक्रवार को रांची में प्रदर्शनकारियों के साथ शामिल हुईं। वे राज्य में जेपीएससी , जेएसएससी सीजीएल और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विरोध कर रही थीं। झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन और झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमीशन की परीक्षाओं से जुड़ी मांगों को लेकर हो रहे विरोध-प्रदर्शनों ने बड़े पैमाने पर राजनीतिक ध्यान खींचा है। इससे राज्य सरकार पर दबाव बढ़ गया है कि हालात बिगड़ने से पहले वह उम्मीदवारों की चिंताओं का समाधान करे।

सीएम विजय की पत्नी संगीता ने वापस ली तलाक अर्जी, अदालत ने केस बंद किया

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पत्नी संगीता ने शुक्रवार को तमिलनाडु की चेंगलपट्टू ज़िला अदालत में अभिनेता से राजनेता बने विजय के खिलाफ दायर तलाक की अजी वापस ले ली। अजी वापस लेने के बाद, चेंगलपट्टू अदालत ने तलाक का मामला बंद कर दिया। यह घटनाक्रम तब हुआ जब शुक्रवार को मामले की सुनवाई हुई। लंदन में मौजूद संगीता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुईं, जबकि विजय व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सके क्योंकि वे तमिलनाडु विधानसभा के चल रहे सत्र में हिस्सा ले रहे थे। सुनवाई के दौरान, विजय के वकील ने अदालत को बताया कि विधानसभा सत्र के कारण मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सकते।

संगीता लंदन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल हुईं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, तलाक की अर्जी वापस लिए जाने पर अदालत ने मामले को बंद कर दिया। इससे पहले भी कई बार इस मामले की सुनवाई टाल दी गई थी, क्योंकि दोनों पक्ष कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए थे। सार्वजनिक हस्तियां होने के नाते, विजय और संगीता ने सुरक्षा कारणों और अन्य प्रक्रियात्मक दिक्कतों का हवाला देते हुए वर्चुअल तरीके से कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति मांगी थी। यह मामला पहले जून में फैमिली कोर्ट के सामने आया था, जब जज ने वकालतनामा दाखिल करने में हुई देरी को लेकर संगीता के वकील से सवाल किया था। कोर्ट ने यह भी कहा था कि आगे की कार्यवाही से पहले इस जोड़े को मीडिएशन सेंटर भेजा जाना चाहिए। इसके बाद मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त के लिए तय की गई थी। हालांकि, शुक्रवार को कार्यवाही ने एक नया मोड़ ले लिया, जब संगीता ने तलाक की अर्जी वापस लेने का फैसला किया। संगीता ने फरवरी में विजय के साथ मतभेदों का हवाला देते हुए तलाक की अर्जी दाखिल की थी। उन्होंने गुजारा-भत्ता और नीलांकरई स्थित घर में रहने का अधिकार भी मांगा था। याचिका के अनुसार, संगीता ने आरोप लगाया कि विजय का एक महिला अभिनेत्री के साथ विवाहेतर संबंध था, जिसके बारे में उन्हें 2021 में पता चला था।

संसद में सत्ता-विपक्ष की टकरार ! खरगे के दावे पर किरण रिजिजू का तीखा वार

नई दिल्ली एजेंसी: विपक्ष द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर बयान की मांग के मद्देनजर नारेबाजी के बीच संसद के दोनों सदनों को 10 अगस्त को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। सदन में हंगामे के बीच राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सत्ताधारी और विपक्षी दोनों पक्षों से बैठने का आग्रह किया। प्रश्नकाल के दौरान सदन को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा में किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कौन सा मंत्री सदन में कब आए। निचले सदन में कड़े शब्दों में जवाब देते हुए रिजिजू ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह का नाम सुनकर आतंकवादी कांपते हैं। उन्होंने कहा कि जब चर्चा शुरू होगी, तो आप सुन नहीं पाएंगे। वह लंबे समय तक संसद में रहते हैं। विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कौन सा मंत्री आएगा। संबंधित मंत्री सदन में मौजूद

हैं। उच्च सदन की मंजूरी के बाद, लोकसभा ने आज 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026' पारित कर दिया। यह विधेयक एमएसएमई के मुफ़्त और स्वैच्छिक रजिस्ट्रेशन के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म को अधिसूचित करने का प्रावधान करता है; राज्य सरकारों को उनके गठन को तर्कसंगत बनाकर अतिरिक्त 'सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषदें' स्थापित करने में मदद करता है; और कुछ प्रावधानों के उल्लंघन से जुड़े अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करता है, जिसमें दोषी ठहराए जाने पर लगने वाले जुमार्ने की जगह अलग-अलग स्तर के दंड का प्रावधान है और पहली बार उल्लंघन पर चेतावनी देने की व्यवस्था शामिल है। उच्च सदन में, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंत्री अमित शाह के बयान की अपनी मांग दोहराई और दावा किया कि अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने अमित शाह को निर्देश जारी किया था; हालाँकि, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस दावे का खंडन किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि आपने (सभापति ने) गृह मंत्री से सदन में आकर बयान देने को कहा था।

एफसीआरए बिल: अमित शाह का बड़ा आश्वासन, 12 अगस्त को संसद में चर्चा, पिछली तारीख से नहीं होगा लागू

नई दिल्ली एजेंसी: मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद कहा कि विवादित 'विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' पर 12 अगस्त को संसद में चर्चा और उसे पारित करने की प्रक्रिया होगी और इसे पिछली तारीख से लागू नहीं किया जाएगा। यह बात ऐसे समय में कही गई है जब केंद्र सरकार संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने और मौजूदा मॉनसून सत्र के दौरान अहम विधेयकों पर चर्चा के लिए कामकाज सुचारू रूप से चलाने को लेकर विपक्ष के साथ बातचीत कर रही है। लालदुहोमा, मिजोरम के चर्च नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ शाह से मिले ताकि प्रस्तावित कानून को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कर सकें। इस प्रस्तावित कानून का मकसद विदेशी फंडिंग वाली संस्थाओं पर निगरानी को और क-ड़ा करना है। इसके तहत एक शक्तिशाली अधिकृत संस्था बनाने का प्रावधान है जो उन NGO की संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले सकेगी जिनका FCRA लाइसेंस रद्द हो जाता है। लालदुहोमा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि हमने नए FCRA विधेयक को लेकर अपनी चिंताएं गृह मंत्री के सामने रखी हैं। उन्होंने हमें भरोसा दिलाया है कि यह विधेयक पिछली तारीख से लागू नहीं होगा। कानून बनाने की समय-सीमा के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने बताया कि शाह ने प्रतिनिधिमंडल को जानकारी दी कि बिल पर 12 अगस्त को संसद में चर्चा होगी। प्रस्तावित कानून 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था। गृह मंत्री को सौंपे गए एक ज्ञापन में, लालडुहोमा, मिजोरम कोहरान हुआइतु कमिटी के चेयरमैन जॉन राल्डोसांगा और काउंसिल ऑफ चर्चेस इन मिजोरम के जनरल सेक्रेटरी लालहमांगाइहा ने केंद्र से आग्रह किया

अमेरिकी सांसद की एफसीआरए टिप्पणी भारत ने किया खारिज, कहा- आंतरिक मामले में हस्तक्षेप ना करें

नई दिल्ली एजेंसी: विदेश मंत्रालय ने प्रस्तावित विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 पर अमेरिकी कांग्रेस सदस्य राइली मूर की आलोचना को खारिज कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि विधायी मामले भारत का आंतरिक विषय हैं और यह भी बताया कि अमेरिका सहित कई देशों में विदेशी फंडिंग को नियंत्रित करने वाले कानून हैं। यह बयान मूर के उस आरोप के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें वेस्ट वर्जीनिया के रिपब्लिकन प्रतिनिधि ने कहा था कि प्रस्तावित संशोधन ईसाईयों पर सीधा हमला हैं और चेतावनी दी थी कि इनसे भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों पर बुरा असर पड़ सकता है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत में कानून बनाने की एक स्थापित लोकतांत्रिक प्रक्रिया है और घरेलू कानूनों को उनके सही संदर्भ में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमे-

रका समेत दुनिया भर के देश अपने कानूनी ढांचे के जरिए संगठनों को मिलने वाले विदेशी योगदान को नियंत्रित करते हैं। 4 अगस्त को जारी एक बयान में मूर ने दावा किया था कि अगर चर्च और धार्मिक चैरिटी का 'फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट' रजिस्ट्रेशन रद्द हो जाता है या रिन्यू नहीं होता है, तो प्रस्तावित संशोधनों से भारत सरकार उन पर नियंत्रण कर सकती है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे प्रावधानों का ईसाई संगठनों पर बहुत ज्यादा असर पड़ेगा और उन्होंने भारत सरकार से प्रस्तावित कानून पर फिर से विचार करने का आग्रह किया। मूरे की टिप्पणियों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा कि हमने एफसीआरए पर की गई टिप्पणियां देखी हैं। भारत से जुड़े विधायी मामले हमारे आंतरिक मामले हैं, जिन पर देश की संसद फैसला लेती है। मैं यह भी बताना चाहूंगा कि अमेरिका समेत कई देश विदेशी फंड के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं। मार्च में संसद में पेश किया गया 'फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 2026', 'फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट' (एफसीआरए) के ढांचे में बड़े बदलाव का प्रस्ताव करता है। यह बिल सरकार को एक "तय अधिकारी" (नामित प्राधिका-री) नियुक्त करने का अधिकार देता है।

आवाजें एक साथ उठती हैं तभी सरकार झुकती है: राहुल गांधी ने पेपर लीक पर बीजेपी को घेरा

नई दिल्ली एजेंसी: शुक्रवार को प्रयागराज में अपने 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र स-रकार तभी झुकती है जब आवाजें एक साथ उठती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि परीक्षा के पेपर लीक होने के खिलाफ छात्रों के लगातार विरोध-प्रदर्शनों ने सरकार को जवाबदेही तय करने के लिए मजबूर किया। गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में, गांधी ने भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक को लेकर महीनों तक चले विरोध-प्रदर्शनों के बाद पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का ज़िक्र किया और कहा कि सामूहिक कार्रवाई ने सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर किया। गांधी ने कहा कि प्रयागराज वह शहर है जहाँ सबसे ज्यादा युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। यहाँ का हर छात्र जानता है कि सिस्टम बेईमान हो गया है। छात्रों की मेहनत में कोई कमी नहीं है; समस्या उस सिस्टम में है जो उनकी मेहनत की कद्र नहीं करता। उन्होंने नौकरी के उम्मीदवारों के सामने आने वाली समस्याओं में पेपर लीक, रुकी हुई भर्ती प्रक्रिया और

नियुक्तियों में लंबी देरी का ज़िक्र किया। कोटा और देहरादून में छात्रों के साथ अपनी हालिया बातचीत का ज़िक्र करते हुए, गांधी ने कहा कि अलग-अलग राज्यों में भी ऐसी ही शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने यह

राहुल गांधी ने प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पूर्व कहा कि केंद्र सरकार सामूहिक आवाजों के एकजुट होने पर ही झुकती है। उन्होंने परीक्षा पेपर लीक और भर्ती धांधलियों के खिलाफ छात्रों के निरंतर विरोध प्रदर्शनों को सरकार पर जवाबदेही तय करने के लिए मजबूर करने का श्रेय दिया।

भी आरोप लगाया कि दिल्ली में पर-ीक्षा प्रणाली पर सवाल उठाने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि आखिरकार, एक मंत्री को इस्तीफा देना ही पड़ा। यह सरकार तभी झुकती है जब लोग एकजुट होकर आवाज उठाते हैं।" उन्होंने छात्रों को 8 अगस्त को शाम 5 बजे प्रयागराज के ड्ढ ग्राउंड में होने वाली बातचीत में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। केपी कॉलेज मैनेजमेंट द्वारा अपने स्पोर्ट्स ग्राउंड के इस्तेमाल की मंजूरी वापस लेने के बाद इस कार्यक्रम पर कुछ समय के लिए अनिश्चितता के बादल छा गए थे। मैनेजमेंट ने इसके लिए पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी वजहों और इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश का हवाला दिया था जिसमें कहा गया है कि शैक्षणिक गतिविधियों में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। कॉलेज मैनेजमेंट ने शहर की कांग्रेस इकाई को लिखे एक पत्र में आयोजकों से कहा था कि वे बुकिंग रद्द करके जमा की गई रकम वापस ले लें। हालांकि, बाद में प्रशासन ने पहले किए गए रद्दीकरण को वापस लेते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी। प्रयागराज का यह कार्यक्रम परीक्षा की शुचिता, भर्ती में देरी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर छात्रों और युवाओं तक पहुंचने की कांग्रेस की कोशिश का हिस्सा है।

संपादकीय

रिश्तों के जख्म

अक्सर भारतीय समाज में उदाहरण दिया जाता रहा है कि बेटे भले ही बुढ़ापे में मां-बाप की अनदेखी कर दें, लेकिन बेटियां हर मुश्किल वक्त में मां-बाप के साथ खड़ी होती हैं। वे संवेदनशील होती हैं। रिश्तों की कद्र करना जानती हैं। लेकिन सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में रहने वाले एक हारे हुए कारोबारी, जीवन के बाद भी अपनों की बेरुखी से हार गये। जिन तीन बेटियों को नाजों से पाला, खूब पढ़ाया-लिखाया और धूमधाम से शादी की, उनमें से कोई भी पिता की चिता को अग्नि देने नहीं आई। वृद्धाश्रम के कर्ता-धताओं के सबल आग्रह के बावजूद कोई बेटी आने को तैयार न हुई। एक बेटी तो नेपाल में थी लेकिन दूसरी आजमगढ़ और तीसरी मुंबई में थी। एक बेटी ने ऑनलाइन कुछ पैसे अंतिम संस्कार के लिये भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। जबकि बाकी ने आने में असमर्थता जता दी। हां, मुंबई वाली बेटी ने अंतिम संस्कार का वीडियो जल्दी से भेजने को जरूर कहा। घटनाक्रम का दुखांत यह भी है कि बेटियों ने तेरहवीं तक में आने से इनकार कर दिया। वक्त का चक्र देखिए कि कभी मुंबई में करोड़ों का कारोबार करने वाले कारोबारी की अंतिम यात्रा के वक्त कोई अपना साथ न था। कारोबार में घाटे के बाद अपनों ने मुंह फेर लिया। कुछ समय पहले वृद्धाश्रम में रह रही पत्नी भी साथ छोड़ गई। आज हम तमाम समृद्धि व सुख-सुविधाएं जुटाने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन लगातार रिश्तों की पूंजी गंवाते जा रहे हैं। कोरोना काल में तमाम खून के रिश्तों की त्रासदी तब भी उजागर हुई थी, जब संक्रमण से पीड़ित माता-पिता से खून के रिश्ते भी दूर हो गए थे। यह हमारे समय की त्रासदी है कि तमाम सुख-सुविधाओं में पले बच्चे मुश्किल वक्त में जीवन देने वाले मां-बाप को त्रासदपूर्ण स्थितियों में अकेला छोड़ देते हैं। वहीं यह हमारे समाजविज्ञानियों के लिये गहन आत्ममंथन का विषय है कि क्यों नई पीढ़ी हमारे सनातन जीवन मूल्यों से विमुख होती जा रही है। एक समय था कि पूरी दुनिया में भारत के संयुक्त परिवारों की मिसाल दी जाती थी। पुरानी पीढ़ी भले ही अभावों में पली हो, पिता चाहे व्यवहार में कितने भी सख्त रहे हों, लेकिन बच्चों ने बुढ़ापे की लाठी बनकर अपने तमाम दायित्वों को ईमानदारी से निभाया। दरअसल, संयुक्त परिवार हमें कष्ट सहने, सामंजस्य बनाने और दूसरों के सुख-दुख में शामिल होने का संदेश भी देता था। जीवन के हर क्षेत्र में एक अनुशासन की जरूरत होती है। परिवार में भी यदि मुखिया का अनुशासन कायम न रहे तो बच्चे स्वच्छंद व्यवहार करने लगते हैं। वे आत्मकेंद्रित हो जाते हैं। लेकिन आज हमारे समाज में पश्चिमी संस्कृति ने इतनी गहराई से जड़ें जमा ली हैं कि परिवार संस्था को लेकर हम संवेदनहीन होते चले गये।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है। जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चप्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं। आज्ञा चप्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चप्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

चिंताजनक है दुनिया में अनाथ बच्चों की संतप्त दुर्दशा

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्वभर में कुल अनाथ बच्चों की संख्या लगभग 14 करोड़ से 14.7 करोड़ के बीच अनुमानित है। इनमें से युद्ध, सशस्त्र संघर्ष और आपदाओं की वजह से अनाथ या प्रभावित हुए बच्चों की संख्या भी लगभग 14 करोड़ के करीब आंकी जाती है, क्योंकि कई वैश्विक संगठन युद्ध और आपदाओं से पीड़ित अनाथों को कुल आंकड़ों का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं। दुनिया भर में लगभग 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं इनमें माता या पिता दोनों में से किसी एक या दोनों को खोने वाले बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों बच्चे रहते हैं। अकेले युद्ध या आपदाओं के कारण संकट झेलने वाले और माता-पिता को खोने वाले बच्चों का आंकड़ा 14 करोड़ के आसपास है।एशिया में लगभग 6.1 करोड़ अफ्रीका में लगभग 5.2 करोड़ लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 1 करोड़पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में लगभग 73 लाख है।

आपको बता दें कि भारत में अनाथ बच्चों का संकट भी भयावह है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, भारत में 29.6 मिलियन से अधिक बच्चे सड़कों पर जीवन यापन कर रहे हैं। अनाथालय परित्यक्त बच्चों से भरे पड़े हैं और लाखों बच्चे सड़कों पर भटकते हुए किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत में अनुमानित रूप से लगभग 2.5 से 3 करोड़ अनाथ और बेसहारा बच्चे हैं। इन बच्चों के अनाथ होने और परिवारों से बिछड़ने के मुख्य कारणों में अत्यधिक गरीबी, माता-पिता की असामयिक मृत्यु गंभीर बीमारियां या महामारी, घरेलू कलह, माता-पिता का अलगाव तलाक और बच्चों को लावारिस छोड़ देना शामिल है।मुख्य वजहेंगंभीर गरीबीः संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। एचआईवी/एड्स, कोविड-19 जैसी महामारियों और अन्य घातक बीमारियों के कारण कम उम्र में माता-पिता का निधन।वहीं सामाजिक दबाव, अनचाही संतान या गरीबी के चलते कई नवजात शिशुओं को सड़कों या कचरे के डिब्बों में छोड़ दिया जाता है। घरेलू हिंसा, माता-पिता का तलाक या आपसी विवाद के कारण भी बच्चे अनाथ जीवन भोगने के लिए मजबूर हो जाते हैं। दुनिया भर में लाखों बच्चे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, विस्थापन और गरीबी के विनाशकारी प्रभावों को झेलते हैं, जिससे उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बुनियादी अधिकारों और अवसरों से वंचित होना पड़ता है।

यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वे जिस भावनात्मक और मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं, वह उन्हें बहुत परेशान करता है।यूनिसेफ के मुताबिक, वर्तमान में 46 करोड़ से अधिक बच्चे सूडान, यूक्रेन, म्यांमार, फिलिस्तीन जैसे देशों में संघर्ष क्षेत्रों में रह रहे हैं या वहां से भाग रहे हैं। इन बच्चों को न केवल शारीरिक खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपने परिवारों को खोने के भावनात्मक आघात का भी सामना करना पड़ता है।यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से 5.2 करोड़ अफ्रीका में, एक करोड़ कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में, 6.1 करोड़ एशिया में और 73 लाख मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में हैं। ज्यादातर अनाथ बच्चे अपने दादा-दादी या परिवार के किसी दूसरे सदस्य के साथ रहते हैं।

इन कमजोर बच्चों को और अधिक नुकसान से बचाने की तत्काल जरूरत है, खासकर इसलिए क्योंकि उनमें से कई जलवायु परिवर्तन से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं।

हर साल छह जनवरी को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व युद्ध अनाथ दिवस पर उनके जीवन को फिर से बनाने में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक समर्थन का आह्वान किया जाता है कि उन्हें वह देखभाल और अधिकार मिलें जिसके वे हकदार हैं।95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चे पांच साल से अधिक उम्र के होते हैं। अमीर देशों में अनाथों की संख्या कम है, लेकिन युद्ध या गंभीर बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में यह संख्या बहुत अधिक है।

अनुमान है कि विश्वभर में करीब 14 करोड़ से अधिक अनाथ बच्चे हैं। इस विशाल संख्या का अंदाजा लगाने के लिए, इसकी तुलना संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से करें, जो मात्र 32 करोड़ से थोड़ी अधिक है; या रूस की वर्तमान जनसंख्या - 14 करोड़ से। 14 करोड़ से अधिक बच्चे न्यूयॉर्क शहर, लॉस एंजिल्स, शिकागो और अमेरिका के 47 अन्य सबसे बड़े शहरों की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होंगे, साथ ही आयरलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, निकारागुआ और कोस्टा रिका की संयुक्त जनसंख्या के बराबर भी होंगे। ये केवल संख्याएँ और आँकड़े नहीं हैं, ये बच्चे संकटग्रस्त, संघर्षरत और दुनिया में बहुत कम उम्मीदों से घिरे हुए हैं ।

यूनिसेफ के अनुसार, युद्ध, प्राकृतिक आपदा, गरीबी, बीमारी, सामाजिक कलंक और चिकित्सा संबंधी जरूरतों के कारण प्रतिदिन लगभग 5700 बच्चे अनाथ हो जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2017 में 5 वर्ष से कम आयु के 15,000 बच्चों की प्रतिदिन मृत्यु हुई; यानी हर 17 सेकंड में 1 बच्चे की मृत्यु। जीवन के पहले महीने में ही प्रतिवर्ष 27 लाख बच्चों की मृत्यु हो जाती है।

अफ्रीका में हर 15 सेकंड में एक और बच्चा एड्स के कारण अनाथ हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार 60% अनाथ लड़कियाँ यौन व्यापार का शिकार हो जाएँगी। 10-15% अनाथ बच्चे 18 वर्ष की आयु से पहले आत्महत्या कर लेंगे। पूर्वी यूरोप में 70% अनाथ लड़के अपराधी बन जाएँगे।

विश्वसनीय आंकड़े मिलना मुश्किल है, यहां तक कि स्रोतों में भी अक्सर केवल अनुमान ही दिए जाते हैं, और बेघर बच्चों को शायद ही कभी शामिल किया जाता है। लेकिन अगर ये आंकड़े दुगुने भी बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हों, तब भी यह एक असहनीय त्रासदी है कि हर साल दस लाख से अधिक बच्चे अनाथ हो जाते हैं; और हर साल 70 लाख बच्चे अनाथ ही बड़े होते हैं, जिनका कोई अपना नहीं होता और न ही कोई घर होता है। ये जोखिम में पड़े बच्चे हैं जो पूरी तरह से असुरक्षित, जरूरतमंद और आमतौर पर दुनिया में उम्मीद से परे होते हैं।

आपको बता दें कि हर साल 250,000 बच्चों को गोद लिया जाता है, लेकिन 14,050,000 अनाथ बच्चे बिना किसी प्यार भरे परिवार का हिस्सा बने ही अनाथालय से बाहर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन 38,493 बच्चे अनाथालय से बाहर हो जाते हैं।12 यानी हर 2.2 सेकंड में एक अनाथ बच्चा अनाथालय या पालक देखभाल से बिना किसी परिवार और घर के बाहर निकल जाता है। सभी अनाथ बच्चों में से 1% से भी कम बच्चों को गोद लिया जाता है। बाकी लाखों अनाथ, परित्यक्त और बेघर बच्चों की देखभाल कौन करेगा?

आपको यह भी बता दें कि भारत सरकार अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए मिशन वात्सल्य और पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन जैसी कई प्रमुख योजनाएं चला रही है। इसके तहत बच्चों को हर महीने आर्थिक मदद, मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और 18 से 23 वर्ष की आयु होने पर बड़ा वित्तीय फंड दिया जाता है।प्रमुख योजनाएं और सहायतापीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना कोविड-19 या अन्य कारणों से माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए है। इसमें 18 साल की उम्र पर रू.10 लाख का फंड और 23 साल होने पर आर्थिक सहायता मिलती है।आयुष्मान भारत : इन बच्चों को रू.5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कार्ड दिया जाता है।मिशन वात्सल्यः बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए है। इसके जरिए पात्र बच्चों को रू4,000 प्रति माह की आर्थिक मदद दी जाती है।शैक्षणिक सहायताः स्कूलों में मुफ्त पढ़ाई, उच्च शिक्षा के लिए लोन और विशेष छात्रवृत्ति का प्रावधान है। क्या आपके आसपास कोई वंचित अनाथ बच्चा है तो आप उसकी व्यक्तिक तौर पर अथवा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें यह उसके भविष्य के लिए जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता में सक्रिय हैं)

अगस्त क्रांतिः जब जनता बनी नेतृत्व और साम्राज्य हुआ बेबस

योगेश कुमार गोयल

भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा...

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे 'अगस्त क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में 'क्रिप्स मिशन' भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की।

8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज 'अगस्त क्रांति मैदान' के नाम से जाना जाता है, में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध 'करो या मरो' के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उग्र और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता स्वतः सड़कों पर उतर आई। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुई। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गई और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैंकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने 'कांग्रेस रेडियो' के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दशार्ता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी।

भारत छोड़ो आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को यह अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले ही तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन पहले ही आर्थिक और सैन्य दबाव में था। भारत में इस तरह के व्यापक जन-आंदोलन ने उसकी स्थिति को और कमजोर कर दिया। युद्ध के बाद जब ब्रिटेन की स्थिति और खराब हुई तो भारत को स्वतंत्रता देना उसके लिए एक अनिवार्यता बन गया। भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे बड़ा योगदान यह था कि इसने भारतीय जनता को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया। इस आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब जनता एकजुट होकर किसी लक्ष्य के लिए खड़ी होती है तो सबसे शक्तिशाली साम्राज्य भी उसके सामने टिक नहीं सकता। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अंतिम और निर्णायक चरण था, जिसने 1947 में मिली स्वतंत्रता की नींव को मजबूत किया। आज जब हम 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' मनाते हैं तो यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि उन अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिन्हें हमें हमेशा संजोकर रखना चाहिए। वर्तमान समय में जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इस आंदोलन की भावना (एकता, साहस और संकल्प) हमारे लिए मार्गदर्शक बन सकती है। भारत छोड़ो आंदोलन केवल अतीत की एक घटना मात्र नहीं है बल्कि यह एक विचार है, एक प्रेरणा है, जो हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। 'करो या मरो' का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जो हमें अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। यही इस ऐतिहासिक आंदोलन की सबसे बड़ी विरासत है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मयार्दा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो ह्यसंवाद से समाधानह्ण का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना।

देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मयार्दा का सर्वोच्च आदर्श।

अमरोहा
शनिवार 08 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

जातिगत एवं अभद्र टिप्पणी करने वाले परिचारक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

एससी समाज में पनपा आक्रोश, कोतवाली पहुंचे जाटव महासभा के लोग

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कोतवाली हसनपुर क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय शाहपुर कलां में कार्यरत एक परिचारक द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप में अनुसूचित जाति समाज के प्रति जातिसूचक एवं अभद्र टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। इसको लेकर अनुसूचित जाति समाज के लोगों में भारी आक्रोश है। जाटव महासभा के बैनर तले पूर्व सभासद एवं महासभा के अध्यक्ष अरविंद कुमार अन्ना के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग कोतवाली हसनपुर पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। पीड़ितों ने बताया कि विकास क्षेत्र हसनपुर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय शाहपुर कलां में कार्यरत परिचारक देवदत्त शर्मा ने जिला स्तरीय तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 व्हाट्सएप ग्रुप में तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी हसनपुर अरुण कुमार, जाति जाटव के संबंध में जातिसूचक शब्द का प्रयोग किया। शिकायतकताओं का आरोप है कि आरोपी ने उनके प्रति अभद्र एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए उनके पारिवारिक जीवन पर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। उक्त कृत्य से अनुसूचित जाति समाज की भावनाएं गहराई से आहत हुई हैं तथा समाज में भारी रोष व्याप्त है। पूर्व सभासद अरविंद कुमार अन्ना ने कहा कि यदि समय रहते विधिसम्मत कार्रवाई नहीं की गई तो सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। इस अवसर पर जंग बहादुर जाटव, मुकेश जाटव, जगवीर सिंह, विनोद कुमार गौतम, रामवीर सिंह, अमित कुमार मौर्य, बिजेंद्र सिंह, अशोक कुमार, मनोज कुमार प्रधान, सुधीर कुमार, विकास राहुल, ब्रह्मज्ञान, नीरज कुमार, निर्देश कुमार, देशराज सिंह, अनिल कुमार, योगेश कुमार, सुंदर सिंह, अजीत सिंह, महकार सिंह आदि मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत एसपी अमरोहा ने डिडौली व मुरादाबाद बॉर्डर पर बैरियर व्यवस्था का किया निरीक्षण

यातायात सुचारु रखने और कांवड़ियों की सुरक्षा के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने तथा कांवड़ियों एवं आमजन की सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव ने थाना डिडौली क्षेत्र एवं मुरादाबाद जनपद की सीमा पर स्थापित बैरियरों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने बैरियर व्यवस्था, यातायात संचालन एवं कांवड़ यात्रा के दौरान वाहनों के सुरक्षित आवागमन की स्थिति का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बैरियर इस प्रकार व्यवस्थित किए जाएं कि वाहनों की गति नियंत्रित एवं धीमी हो तथा वाहन चालकों को आगे की यातायात व्यवस्था के संबंध में पर्याप्त सावधानी बरतने का अवसर मिले। पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान मार्ग पर किसी प्रकार का अनावश्यक जाम अथवा यातायात अवरोध उत्पन्न न हो। कांवड़ियों, स्थानीय नागरिकों एवं अन्य वाहन चालकों को आवागमन में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बैरियरों पर पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती रखते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगातार सतर्क दृष्टि बनाए रखने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस की प्राथमिकता कांवड़ियों की सुरक्षा, यातायात का सुचारु संचालन तथा आमजन के लिए

सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवागमन सुनिश्चित करना है। इसके लिए जनपद की सीमाओं एवं कांवड़ यात्रा मार्ग पर पुलिस बल द्वारा निरंतर निगरानी एवं प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

10 अगस्त को विकास भवन में प्रधानमंत्री अप्रेंटिसशिप एवं दिव्यांग रोजगार मेले का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास भवन (भूतल) में दिनांक 10 अगस्त, 2026 (सोमवार) को प्रातः 10:00 बजे प्रधानमंत्री अप्रेंटिसशिप एवं दिव्यांग रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में जनपद एवं बाह्य जनपदों की प्रतिष्ठित कंपनियां प्रतिभाग करेंगी तथा विभिन्न व्यवसायों के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार हेतु किया जाएगा। मेले में फिटर, विद्युतकार, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, मैकेनोमोटर व्हीकल, कोपा (COPA), सीएनसी ऑपरेटर, वेल्डर, प्लंबर, मशीनिस्ट सहित विभिन्न ट्रेडों के साथ-साथ हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, डिग्री एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं।

जिला प्रशासन ने जनपद के समस्त पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे 10 अगस्त, 2026 (सोमवार) को प्रातः 10:00 बजे विकास भवन (भूतल), अमरोहा में आयोजित इस प्रधानमंत्री अप्रेंटिसशिप एवं दिव्यांग रोजगार मेले में उपस्थित होकर रोजगार एवं प्रशिक्षण के इस सुनहरे अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

स्वतंत्रता दिवस को भव्यता एवं परम्परागत रूप से मनाए जाने के संबंध में हुई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को मनाये जाने के संबंध में बैठक की गयी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा का निर्धारण करते हुए निर्देशित किया कि स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व को जन-जन के सहयोग से हर्षोल्लास के साथ मनाया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के संबंध में अधिकारियों को सौंपी गयी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करते हुए कार्यक्रम को भव्यता के साथ मनाया जाए। 80वें स्वतन्त्रता दिवस 2026 के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में मुख्य कार्यक्रम होगा। जिसके तहत कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण कार्यक्रम के साथ देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन क्या जाएगा। जनपद में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र वितरण किए जाएंगे। कलेक्ट्रेट स्थित शहीद उपवन में वृक्षारोपण किया जाएगा। वृद्धाआश्रम में वृद्धजनों के साथ वार्ता तथा फल वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा। जनपद में परंपरागत तरीके से मनाए जाने वाले कार्यक्रमों में सभी सरकारी और अर्द्ध सरकारी कार्यालयों तथा गैर सरकारी इमारतों में ध्वजारोहण तथा राष्ट्रगान का गायन होगा। राजकीय इंटर कॉलेज के निकट राष्ट्रपति महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण, हिंदू डिग्री कॉलेज के निकट डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण, शहीद पार्क में शहीदों को श्रद्धांजलि, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार के सदस्यों एवं पूर्व सैनिकों को अंगवस्त्र भेंट कर कर सम्मानित किया जाएगा। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य परीक्षण, शासकीय एवं सार्वजनिक भवनों पर प्रकाश व्यवस्था, कुष्ठ आश्रम में फल एवं वस्त्र वितरण और खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जिलाधिकारी ने समस्त अधिशासी अधिकारियों और डीपीआरओ को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र में स्थित महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर एवं अन्य स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महापुरुषों की प्रतिमाओं की साज सज्जा सुनिश्चित करेंगे तथा स्वतंत्रता दिवस के दिन प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समुचित साफ-सफाई व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, परियोजना निदेशक अम्बरीश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर, समस्त उपजिलाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धनौरा के जंगलों में देखा गया, तेंदुआ ग्रामीणों में बढ़ी दहशत, किसान ने केमरे में कैद की तस्वीर

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा ग्रामीण क्षेत्र के जंगलों में शुक्रवार को किसानों द्वारा तेंदुए को देखा गया जिससे क्षेत्र के लोगों में दहशत बनी हुई है। वन विभाग द्वारा क्षेत्र में कई स्थानों पर तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए गए हैं। उधर ग्रामीणों ने प्रशासन से एवं वन विभाग से तेंदुए की समस्या से जल्द निजात दिलाने की मांग की है। बता दें कि थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव मंगलपुरा में एक बार फिर से तेंदुआ देखा गया है शुक्रवार को किसान सतपाल सिंह के घर के ठीक पीछे स्थित खेत में तेंदुए को देखा गया है। सतपाल सिंह के परिजनों ने अपने मकान की छत पर चढ़कर तेंदुए की कुछ तस्वीरें अपने मोबाइल में कैद कर लीं।क्षेत्र में तेंदुए की इस चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। मंडी धनौरा और आसपास के इलाकों में पिछले कई दिनों से तेंदुए की आवाजाही लगातार बनी हुई है क्षेत्र के किसी न किसी गांव में आए दिन तेंदुए की मौजूदगी के कारण ग्रामीण शाम ढलते ही घरों में छिपने को मजबूर हैं ।किसान भी अपने खेतों में जाने से कतरा रहे हैं जिससे उनकी दिनचर्या प्रभावित हो रही है। मामले की जानकारी मिलने पर वन विभाग भी सतर्क हो गया है। मंडी धनौरा के डिप्टी रेंजर मनोज चौधरी ने बताया कि वन विभाग की टीम क्षेत्र में पूरी तरह से अलर्ट है उन्होंने जानकारी दी कि विभाग के पास कुल तीन पिंजरे हैं जिन्हें तेंदुए को पकड़ने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में अलग-अलग स्थान पर लगाया गया है हाल ही में क्षेत्र के गांव कपसुआ में तेंदुए की सूचना पर एक पिंजरा लगाया गया था। गांव में तेंदुए की लगातार चहल कदमी से चिंतित ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से जल्द से जल्द तेंदुए की इस समस्या से निजात दिलाने की मांग की है मांग करने वालों में जसवंत सिंह, जीतू सिंह, रिंकल सिंह, मोनू सिंह ,वीर सिंह ,उदयवीर सिंह, रमेश सैनी ,अजय सैनी, यादराम सैनी सहित दर्जनों से अधिक ग्रामीण शामिल है।

हर घर तिरंगा अभियान-2026 की तैयारियों को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक

09 से 15 अगस्त तक जनपद में विविध कार्यक्रम, हर घर पर फहराया जाएगा तिरंगा

अमरोहा (सब का सपना):- हर घर तिरंगा अभियान-2026 के सफल आयोजन के संबंध में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 09 से 15 अगस्त तक होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि शासन के निदेर्शों के क्रम में इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस पर प्रत्येक घर, कार्यालय, संस्थान एवं सार्वजनिक स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर "हर घर तिरंगा अभियान-2026" का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में अभियान के सभी कार्यक्रमों में वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन होगा। तिरंगे के साथ सेल्फी एवं गायन के वीडियो www.harghartiranga.com पर अपलोड किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे भारतीय ध्वज संहिता का पालन करते हुए निर्धारित नियमों के अनुसार अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों पर तिरंगा फहराकर अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने बताया कि 09 से 14 अगस्त तक जनपद के समस्त विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में प्रातः 09 से 11 बजे तक तिरंगा रैलियां निकाली जाएंगी। 12 अगस्त को तहसील हसनपुर, 13 अगस्त को तहसील धनौरा तथा 14 अगस्त को जनपद स्तरीय तिरंगा रैली जीवन ज्योति हॉस्पिटल से कलेक्ट्रेट तक आयोजित होगी। 09 से 15 अगस्त तक कलेक्ट्रेट एवं तहसील स्तर पर तिरंगा कॉन्सर्ट में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीद सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। 14 अगस्त को कुन्दन मॉडल इंटर कॉलेज में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रदर्शनी एवं श्रद्धांजलि सभा होगी। 15 अगस्त को समस्त सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण के साथ वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन होगा। जिलाधिकारी ने 09 से 15 अगस्त तक तिरंगे की उपलब्धता, 13 से 15 अगस्त तक सार्वजनिक स्थलों पर प्रकाश सज्जा, 14 अगस्त को रंगोली तथा 14-15 अगस्त को सेल्फी प्वाइंट स्थापित करने के निर्देश दिए।

अभियान के लिए जिला विकास अधिकारी को नोडल तथा अन्य 7 अधिकारियों को सहायक नोडल नामित किया गया है। बैठक में सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र, एडीएम गरिमा सिंह, सीएमओ डॉ. रमाकांत सागर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन (शंकर) का अमरोहा कलेक्ट्रेट पर धरना, मुख्यमंत्री के नाम दो मांगपत्र सौंपे

अमरोहा/कलेक्ट्रेट (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के बैनर तले आज कलेक्ट्रेट परिसर, अमरोहा में किसानों एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरने की अध्यक्षता चौधरी देवेंद्र सिंह तथा संचालन सत्यवीर सिंह ने किया।

बता दें कि धरने को संबोधित करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण की अनेक घोषणाएँ कर रही है, किन्तु जमीनी स्तर पर किसान आज भी बैंकिंग, सिंचाई, बिजली, सड़क, गन्ना भुगतान एवं प्रशासनिक समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाने के लिए बाध्य होगा। बता दें कि इस अवसर पर संगठन द्वारा माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम दो अलग-अलग मांगपत्र उपजिलाधिकारी को सौंपे गए।पहले मांगपत्र में जनपद अमरोहा की विभिन्न जनहित एवं किसान हित की समस्याओं को उठाते हुए जिला सहकारी बैंक अमरोहा के गठन, किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने, ब्याज दर कम करने, अतिरिक्त ब्याज एवं शुल्क वापस कराने, अमरोहा विकास प्राधिकरण के गठन, गजरौला ट्रॉमा सेंटर के संचालन, राष्ट्रीय राजमार्ग-9 एवं अन्य जर्जर सड़कों के पुनर्निर्माण, नगरों में ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ करने, तिगरी धाम को धार्मिक एवं पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने, डिडौली क्षेत्र में 132 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना, जर्जर विद्युत लाइनों एवं ट्रांसफार्मरों के प्रतिस्थापन, सहकारी चीनी मिल हसनपुर के पुनसंर्चालन, गन्ना मूल्य का 15 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान, मध्य गंगा नहर फेस-2 में सिंचाई हेतु पर्याप्त पानी छोड़े जाने, प्रत्येक विकास खंड में गौशालाओं की स्थापना, आधुनिक किसान भवन के निर्माण, स्थानीय युवाओं को औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार तथा भूमि, सिंचाई, विद्युत एवं राजस्व संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु विशेष अभियान चलाने की मांग की गई।दूसरे मांगपत्र में मुख्यमंत्री द्वारा घोषित "वन डिस्ट्रिक्ट-वन बैंक" योजना के अंतर्गत जनपद अमरोहा में स्वतंत्र जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, अमरोहा का गठन करने की मांग की गई। संगठन ने बताया कि अमरोहा में जिला सहकारी बैंक की 15 शाखाएँ, लगभग 438 करोड़ रुपये की जमा राशि, 46 सहकारी समितियाँ, 50 हजार से अधिक सक्रिय सदस्य एवं लगभग 484 करोड़ रुपये का ऋण वितरण होने के बावजूद आज तक स्वतंत्र बैंक बोर्ड का गठन नहीं किया गया है। संगठन ने किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने की भी मांग रखी।तीसरे मांगपत्र में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के विलय के बाद उत्पन्न समस्याओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि प्रदेश की लगभग 4500 शाखाओं में किसान क्रेडिट कार्ड नवीनीकरण, ब्याज अनुदान, सीबीआईएल (CIBIL) स्कोर खराब होने, अतिरिक्त बैंक शुल्क, भूमि बंधकमुक्ति में विलंब तथा डिजिटल पोर्टलों पर अनेक शाखाओं का विवरण उपलब्ध न होने से किसानों की डीबीटी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि अनुदान, फसल बीमा एवं अन्य सरकारी योजनाओं का भुगतान प्रभावित हो रहा है। संगठन ने बैंक की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय जांच, सभी शाखाओं का डिजिटल पोर्टलों पर तत्काल अद्यतन, रुकी हुई डीबीटी का शीघ्र भुगतान, बैंकिंग प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने तथा किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा न्यूनतम 10 लाख रुपये किए जाने की मांग की।राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों ने एक सप्ताह का समय मांगा है। संगठन इस अवधि तक प्रशासन को पूरा सहयोग देगा, लेकिन यदि निर्धारित समय में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो भारतीय किसान यूनियन (शंकर) व्यापक एवं निर्णायक आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी।धरने में चौधरी धर्मवीर सिंह, चौधरी नेमपाल सिंह, चौधरी विनीत कुमार, मुसाहिद हुसैन, डॉ. प्रेम सिंह, विनोद कुमार, कैप्टन वीर सिंह चौहान, चौधरी विक्रम पवार, प्रधान सुखबीर सिंह प्रधान महीपाल,अख्तर, एहसान , रवि ,पप्पू, प्रमोद नागर, सतवीर सिंह, सुखबीर भगत, प्रधान लोकेश कुमार, महिपाल सिंह, बबिता रानी, शिवांशी यादव, मंजू शर्मा, प्रियंका भटनागर, कुसुम लता, शीला देवी, नीतू रानी, रीना रानी सहित संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं हजारों किसान उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा में ग्राम प्रधान को जाति सूचक शब्द एवं जान से मारने की धमकी का मामला, पुलिस से कार्यवाही की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र स्थित गांव के प्रधान को जाति सूचक शब्द कहने, गाली-गलौज करने एवं जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है जिसको लेकर क्षेत्र के प्रधानों में भारी आक्रोश व्याप्त है उधर ग्राम प्रधान पुलिस प्रशासन से इस मामले में कार्यवाही की मांग कर रहे हैं। बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह घटना 2 अगस्त को हुई थी। प्रधान रुद्र प्रताप सिंह गांव कैसरा में नलकूप विभाग के नलकूप संख्या 80 एच गूल की भूमि और गाटा संख्या 101 पर अवैध निर्माण की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे थे।आरोप है कि गांव के ही रामपाल, अमर सिंह, राजकुमार, पिंटू और सोनू (उर्फ देवदत्त) वहां अवैध कब्जा कर रहे थे। जब प्रधान ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उनके साथ कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया, गाली-गलौज की और गोली मारकर जान से मारने की धमकी दी।इस घटना के विरोध में शुक्रवार को सैकड़ों ग्रामीणों, महिलाओं और 50 से अधिक ग्राम प्रधानों ने जिलाध्यक्ष ऊधम सिंह गिल के नेतृत्व में मंडी धनौरा थाने पहुंचकर थाना प्रभारी सतेंद्र सरोहा से मुलाकात की। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।शिष्टमंडल में ब्लॉक अध्यक्ष राजपाल सिंह, रुद्र सिंह, भगवंत सिंह, हरिश्चंद्र, सद्दाम हुसैन, जावेद प्रधान, अभिनव यादव, गंभीर प्रधान, ताराचंद, पुष्पेंद्र, प्रेमपाल, विनोद, भजन सिंह, चरण सिंह, नवीन, कविंदर, लाल सिंह, विक्रम, नितिन, यूसुफ, फाजिल जैदी, नवनीत, जितेंद्र, फारूक, जीतपाल, नवनीत आजमपुर, गंगासरन, जबर सिंह, राजू सिंह और पंकज त्यागी सहित कई गणमान्य लोग शामिल थे।प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आगामी रणनीति बनाकर उग्र आंदोलन करेंगे। थाना प्रभारी सतेंद्र सरोहा ने बताया कि उन्हें प्रार्थना पत्र मिल गया है और मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बहजोई पोस्ट ऑफिस घोटाले का खुलासा, सहायक पोस्टमास्टर पहुंचा सलाखों के पीछे

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने खाताधारकों के लाखों रुपये के गबन के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पोस्ट ऑफिस के सहायक पोस्टमास्टर दीपक कुमार पुत्र करन सिंह (35 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। एस पी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया गुरुवार को थाना बहजोई में अलग-अलग शिकायतकताओं ने सूचना दी थी कि उनके बचत खातों से सहायक पोस्टमास्टर दीपक कुमार द्वारा रुपये निकालकर गबन कर लिया गया है। शुक्रवार को दो अन्य शिकायतकताओं ने भी इसी प्रकार की शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज किए गए। जांच में सामने आया कि आरोपी दीपक कुमार, पोस्ट ऑफिस में सहायक पोस्टमास्टर के पद पर कार्यरत रहते हुए विभिन्न खाताधारकों के खातों से कुल 22 लाख 60 हजार रुपये निकालकर गबन कर चुका था।

इतना ही नहीं, उसने खाताधारकों को धोखे में रखने के लिए गलत खाता संख्या वाली पासबुक भी उपलब्ध कराई, ताकि लंबे समय तक गड़बड़ी का पता न चल सके। थाना बहजोई पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि इस गबन में अन्य किसी की संलिप्तता तो नहीं है।

फर्जी बीमा पॉलिसी गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार,सरगना फरार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद पुलिस ने फर्जी बीमा पॉलिसी के माध्यम से बीमा क्लेम की रकम हड़पने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि थाना रजपुरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोहित पुत्र वीरपाल, शालू पुत्री वीरपाल और तेजपाल पुत्र सियाराम को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। एसपी ने बताया कि गिरोह का सरगना सत्यप्रकाश पुत्र रामप्रसाद है, जिसका नेटवर्क संभल और बदायूं में संचालित होता है। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे सत्यप्रकाश के साथ मिलकर मृत व्यक्तियों के नाम पर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कराते थे। इसके अलावा मृतकों के आधार कार्ड पर किसी अन्य व्यक्ति का फोटो लगाकर फर्जी पहचान बनाई जाती थी और उसी आधार पर बैंक खाते खुलवाए जाते थे। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने राजकुमारी नामक मृत महिला के आधार कार्ड पर आरोपी शालू का फोटो लगाकर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, केसरपुर शाखा में खाता खुलवाया। इसके बाद राजकुमारी का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य कूटरचित दस्तावेज लगाकर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमा दावा प्रस्तुत किया और बीमा की धनराशि प्राप्त कर ली।

पुलिस के अनुसार गिरोह का तरीका यह था कि किसी मृत व्यक्ति के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर बीमा पॉलिसी कराई जाती थी और खुद को मृतक का नामिनी दिखाकर बीमा क्लेम की रकम हड़प ली जाती थी। गिरोह के सभी सदस्य मिलकर इस संगठित धोखाधड़ी को अंजाम देते थे। पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर फरार सरगना सहित अन्य आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

डीएम के निर्देश पर अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 137 बीघा सरकारी भूमि कराई कब्जामुक्त

जनैटा और नरौली में तालाब, झील व वृक्षारोपण की 8.684 हेक्टेयर भूमि से हटाए गए अतिक्रमण

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देश पर जनपद में सरकारी तालाबों, चकमार्गों एवं अन्य शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को चंदौसी तहसील क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान ग्राम जनैटा और नरौली में कुल 8.684 हेक्टेयर (लगभग 137 बीघा) सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं खंड विकास अधिकारियों को दो हेक्टेयर या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों का चिन्हीकरण कर उन्हें कब्जामुक्त कराने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी के निर्देशन में नायब तहसीलदार सतेन्द्र चाहर के नेतृत्व में राजस्व टीम ने पुलिस बल के साथ अभियान चलाया। अभियान के दौरान ग्राम जनैटा में तालाब की 7.005 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। वहीं ग्राम नरौली में झील, तालाब एवं वृक्षारोपण की 1.679 हेक्टेयर सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे हटाए गए।

जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने कहा कि तालाब, झील, चकमार्ग, वृक्षारोपण एवं अन्य किसी भी शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिन्हित अतिक्रमणों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रखते हुए नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला प्रशासन का उद्देश्य सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर उसके मूल स्वरूप को सुरक्षित रखना है।

विद्यालय में चला टीकाकरण अभियान, बच्चों को लगाए गए टिटनेस के टीके

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- नगर क्षेत्र के ग्राम पथरा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल में शुक्रवार को छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के तहत कक्षा एक, चार एवं पांच के विद्यार्थियों को टिटनेस से बचाव के टीके लगाए गए। टीकाकरण एएनएम किरण द्वारा किया गया, जबकि आशा कार्यकर्ता रेखा एवं गिरीश ने अभियान में सहयोग किया। इस दौरान बच्चों को आवश्यक दवाओं का भी वितरण किया गया तथा स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई।

विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने टीकाकरण कराने वाले सभी विद्यार्थियों का नाम एवं आवश्यक विवरण विद्यालय के अभिलेखों में दर्ज कराया। वहीं विद्यालय के संचालक महानंदन गौतम सहित समस्त स्टाफ ने अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया। विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं नियमित टीकाकरण अवश्य कराएं, ताकि उन्हें विभिन्न संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके।

पंचायत उन्नति सूचकांक में कमजोर थीम पर बनेगी ग्राम पंचायत विकास योजना:- अश्वनी कुमार मिश्र

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत जनपद अमरोहा के विकास भवन सभागार अमरोहा में जिला पंचायत एवं क्षेत्र पंचायत के कार्य अधिकारी,सचिव एवं जिला क्रियान्वयन एवं समन्वय समिति के सदस्यगण एवं खंड विकास अधिकारियों एवं सहायक विकास अधिकारी पंचायत की गुणवत्तापूर्ण पंचायत डेवलपमेंट प्लान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी अमरोहा अश्वनी कुमार मिश्र,जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार,जिला परियोजना प्रबन्धक वसीम,अनस,सीडीपीओ,मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं सीनियर फैकल्टी अमरोहा सत्येंद्र शर्मा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण जीपीडीपी कैसे तैयार करें इस प्रक्रिया को सिखाना था। जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार द्वारा ग्राम पंचायत विकास योजना क्या है एवं इसके निर्माण के क्या-क्या चरण है पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा गुणवत्तापूर्ण पंचायत डेवलपमेंट प्लान कैसे बनाएं पर चर्चा करते हुए बताया कि ग्राम सभा का आयोजन अवश्य होना चाहिए। ग्राम सभा का कोरम पूरा होना चाहिए। ग्राम सभा से पूर्व महिला सभा एवं बाल सभा का आयोजन होना चाहिए। पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स के अंतर्गत जिस टीम में पंचायत के अंक कम है उसे थीम में शपथ लेकर पंचायत के विकास के लिए काम करना चाहिए। बैठक कार्यवाही सभा सार पोर्टल पर अपलोड होनी चाहिए। बैठक में सभी जाति वर्गों महिला पुरुषों का प्रतिभाग होना चाहिए। इस प्लान में वीपीआरपी प्लान एवं डिजास्टर रिस्क रिडक्शन प्लान भी शामिल करना आवश्यक है, यदि हम ऐसा करते हैं तो हमारी ग्राम पंचायत विकास योजना गुणवत्तापूर्ण योजना होगी। सीनियर फैकल्टी अमरोहा सत्येंद्र शर्मा द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली 2026 पर विस्तार से प्रकाश डाला। अब से कचरा को चार श्रेणी में पृथक किया जाएगा यह श्रेणी है गीला कचरा, सूखा कचरा, स्वास्थ्यकर कचरा एवं देखभाल वाला कचरा। किसी के साथ थोक अपशिष्ट जनरेटर संस्थानों का दायरा विस्तृत किया गया है यह दायरा है 20000 वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्र या 40000 लीटर जल खपत करने वाला संस्थान या 100 किलोग्राम कचरा उत्पन्न करने वाले सभी इकाइयां इसमें शामिल होगी।

मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा सहायक विकास अधिकारी पंचायत को गुणवत्तापूर्ण पंचायत डेवलपमेंट प्लेन पर कार्य करने का निर्देशित किया गया।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र,जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार,अपर जिला पंचायत राज अधिकारी,डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर स्वस्थ भारत मिशन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट मेनेजर हेल्थ, जिला परियोजना प्रबंधक वसीम अहमद, अनस एडीओ पंचायत मदन ढिल्लों,नरेंद्र,सतेंद्र आदि मौजूद रहे।

हत्या के तीन दोषियों को आजीवन कारावास, प्रत्येक पर एक लाख रुपये का जुमार्ना

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश पुलिस के ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत संभल पुलिस और अभियोजन की प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप हत्या के एक चर्चित मामले में तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। मामले के अनुसार, 30 जुलाई 2021 को अकील अहमद पुत्र सईद अहमद निवासी मोहल्ला कस्बान सरायतरीन, थाना हयातनगर ने थाना संभल में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि सलमान, सलीम उर्फ पुतला और जावेद पुत्रगण नवाब, निवासी मोहल्ला चमन सराय, थाना संभल ने उसके भाई रिहान के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। उपचार के दौरान साई अस्पताल, मुरादाबाद में रिहान की मृत्यु हो गई थी। घटना के संबंध में थाना संभल पर हत्या एवं आयुध अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्य एकत्र कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शुक्रवार को स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट, सम्भल (चन्दौसी) अवधेश कुमार सिंह की अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी करते हुए तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया। न्यायालय ने सलमान, सलीम उर्फ पुतला और जावेद को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ-साथ प्रत्येक पर एक-एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया।

संभल पुलिस ने इसे ऑपरेशन कनविक्शन के तहत अपराधियों को सजा दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

कांवड़ यात्रा को लेकर संभल यातायात पुलिस अलर्ट, चंदौसी चौराहे पर संभाली कमान

संभल (सब का सपना):- पवित्र श्रावण मास में चल रही कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए जनपद संभल की यातायात पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। श्रद्धालुओं के निर्बाध आवागमन और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रमुख मार्गों और चौराहों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में संभल के चंदौसी चौराहे पर यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती गई। पुलिसकर्मियों ने कांवड़ियों के सुरक्षित आवागमन के साथ-साथ आम राहगीरों एवं वाहन चालकों को भी जाम से राहत दिलाने के लिए यातायात का प्रभावी संचालन किया। इस दौरान हेड कांस्टेबल सोनू अहलावत ने लाउडस्पीकर के माध्यम से वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और निर्धारित मार्गों का उपयोग करने के निर्देश दिए। साथ ही लोगों से अपील की गई कि कांवड़ यात्रा के दौरान धैर्य बनाए रखें और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। यातायात पुलिस का कहना है कि उसका उद्देश्य कांवड़ यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना है, ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और आमजन को भी सुगम यातायात उपलब्ध हो सके।

शिवभक्त कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए सेंट मैरी तिराहे पर बनाई गई अस्थाई पुलिस चौकी

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के दौरान काशीपुर हरिद्वार फोरलेन एक्सप्रेस वे से निकलने वाले शिवभक्त कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए सीओ राजेश सिंह सोलंकी ने सेंट मैरी स्कूल तिराहे पर वॉटरप्रूफ प्लास्टिक शीट्स वाली अस्थाई पुलिस चौकी बनाई है। कांवड़ यात्रा पुलिस चौकी प्रभारी व मझेड़ा चौकी प्रभारी एसआई प्रवीण कुमार ने बताया कि कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे मुस्तैद पुलिस कर्मी शिवभक्तों की सेवा कर रहे हैं।चौकी के पास तिराहे पर बनाई गई पुलिस पिकेट से लाउडस्पीकर द्वारा यातायात को व्यवस्थित व सुचारू किया जा रहा है और वाहनों को दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं।फोरलेन को वनवे कर दिया गया है और धामपुर दिशा की ओर जाने वाली लेन को कांवड़ियों के लिए रखा गया है।कई स्थानों पर गुलदार प्रभावित क्षेत्र की फ्लैक्सियां लगाई गई हैं।थाना प्रभारी विकास कुमार ने अनेक स्थानों पर मार्ग इंडिकेटर वाली बड़ी बड़ी फ्लैक्सियां लगवाई हैं।जिनपर एसपी अभिषेक झा व सीओ राजेश सिंह सोलंकी के फोटो तथा हेल्पलाइन नंबर भी अंकित हैं।

सावन में मंदिर में अधिवक्ता से अभद्रता का आरोप, सिपाही के खिलाफ एसपी से शिकायत

फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप, विभागीय कार्रवाई की उठाई मांग

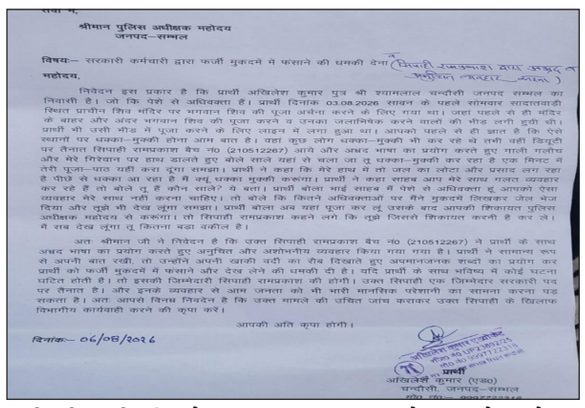

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद में चन्दौसी निवासी एक अधिवक्ता ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी पर अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज तथा फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता अखिलेश कुमार पुत्र श्यामलाल, निवासी चन्दौसी, ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह 3 अगस्त को सावन के प्रथम सोमवार के अवसर पर सादातवाड़ी स्थित प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना करने गए थे। उस समय मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी, जिसके कारण धक्का-मुक्की की स्थिति बनी हुई थी। अधिवक्ता का आरोप है कि इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात सिपाही रामप्रकाश ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया, गाली-गलौज की तथा कॉलर पकड़कर उन्हें लाइन से हटाने का प्रयास किया। विरोध करने पर सिपाही ने कथित रूप से फर्जी मुकदमे में फंसाने और देख लेने की धमकी भी दी। शिकायतकर्ता का कहना है कि जब उन्होंने स्वयं को अधिवक्ता बताया और पुलिसकर्मी के व्यवहार पर आपत्ति जताई, तब भी कथित रूप से उन्हें धमकाया गया।

न्होंने आशंका जताई है कि यदि भविष्य में उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित पुलिसकर्मी की होगी। अधिवक्ता ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित सिपाही के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

फिलहाल इस मामले में पुलिस विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या बयान सामने नहीं आया है। शिकायत की सत्यता की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर मिला व्यक्ति का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

प्रॉपर्टी विवाद को लेकर भतीजे से चल रहा था मुकदमा, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कोतवाली क्षेत्र के नूरपुर रोड स्थित कृष्णा कॉलेज के पास बाग में बने एक मकान के अंदर शुक्रवार को एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान अनिल सोती के रूप में हुई है। शव मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए आरोप लगाया कि अनिल सोती का अपने भतीजे गौरव से लंबे समय से प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि इसी मामले में शुक्रवार को कोर्ट में तारीख भी निर्धारित थी। पुलिस का कहना है कि परिजनों से तहरीर प्राप्त होने के बाद मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी संभावित बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है।

बिजनौर में प्राकृतिक नदी पर अवैध मिट्टी भराव का आरोप, जल निकासी बाधित होने से एक दर्जन गांवों पर मंडराया खतरा

भूमाफियाओं पर सरकारी नदी पाटकर रास्ता बनाने की तैयारी का आरोप, ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच की उठाई मांग

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के बैराज रोड स्थित ग्राम पंचायत फरीदपुर काजी उर्फ खेड़की में प्राकृतिक नदी (कच्ची नहर) पर कथित रूप से अवैध मिट्टी भराव किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ भूमाफिया सरकारी नदी के प्राकृतिक स्वरूप को समाप्त कर उस पर रास्ता बनाकर आसपास की जमीनों का व्यावसायिक मूल्य बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो वर्षा के दौरान जल निकासी पूरी तरह बाधित हो सकती है, जिससे एक दर्जन से अधिक गांवों में जलभराव और किसानों की हजारों बीघा फसल बर्बाद होने का खतरा पैदा हो जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार बैराज रोड से गुजरने वाली यह प्राकृतिक जलधारा वर्षों से क्षेत्र के किसानों की सिंचाई तथा वर्षा के पानी की निकासी का प्रमुख माध्यम रही है। आरोप है कि बिना किसी सक्षम अनुमति के इस नदी में लगातार मिट्टी डाली जा रही है। यदि इसका प्राकृतिक प्रवाह बंद हो गया तो गंगा किनारे बसे अनेक गांवों में बारिश का पानी भर सकता है और व्यापक जनधन की हानि हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ लोगों ने सस्ती जमीन खरीदकर उसे राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने और नदी के ऊपर रास्ता बनाकर महंगे दामों में बेचने की योजना बनाई है। इसके लिए सरकारी जलधारा को ही समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि इस मामले में NHAI के कुछ कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। स्थानीय लोगों द्वारा एसडीओ आशीष शर्मा का नाम भी लिया जा रहा है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारियों का पक्ष अभी सामने नहीं आया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, सिंचाई विभाग एवं संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा जांच पूरी होने तक नदी में किए जा रहे कथित अवैध मिट्टी भराव को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। यदि जांच में कोई भूमाफिया अथवा सरकारी अधिकारी-कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि नदी का प्राकृतिक स्वरूप तत्काल बहाल कराया जाए ताकि धर्म नगरी, बंगाली कॉलोनी, घासीवाला सहित आसपास के अनेक गांवों और किसानों को भविष्य में जलभराव, फसल नुकसान और पर्यावरणीय संकट का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने कहा कि नदी में हो रहे कथित अवैध मिट्टी भराव पर तत्काल रोक लगाई जाए। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। दोषी भूमाफियाओं एवं किसी भी संलिप्त अधिकारी/कर्मचारी पर कठोर कार्रवाई हो।

प्राकृतिक नदी के मूल स्वरूप एवं जल प्रवाह को बहाल किया जाए। क्षेत्र के किसानों और गांवों को जलभराव जैसी संभावित आपदा से सुरक्षित किये जाने की माँग की।

नाबार्ड के तत्वावधान में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का भव्य आयोजन, सैकड़ों बुनकर हुए शामिल

शिकारपुर/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के तत्वावधान में शुक्रवार को गौरीशंकर इंटर कॉलेज, रवाना शिकारपुर में 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हथकरघा उद्योग को प्रोत्साहित करना, बुनकरों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, बैंकिंग सुविधाओं एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों बुनकरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक भूपेश पुनेरा रहे। विशिष्ट अतिथियों में पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक आदेश कुमार, ग्राम रवाना शिकारपुर के ग्राम प्रधान फुरकान अहमद, ग्राम बिडरा के ग्राम प्रधान दिलशाद अहमद, पूर्व प्रधान नईम अहमद, जिला पंचायत के भावी प्रत्याशी मयंक चौधरी तथा शिवा शक्ति एनजीओ के सचिव गौरव चौहान शामिल रहे। मुख्य अतिथि एवं अन्य वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि हथकरघा उद्योग भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण आधार है। बुनकर आधुनिक तकनीक अपनाकर, वित्तीय संस्थानों से जुड़कर तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने गुणवत्ता आधारित उत्पादन, आत्मनिर्भरता एवं नवाचार पर विशेष बल देते हुए बुनकरों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और बैंकिंग सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन शिवा शक्ति एनजीओ के सचिव गौरव चौहान ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराया तथा पूरे आयोजन का सफल और प्रभावी संचालन किया। आयोजन के दौरान बुनकरों को स्वरोजगार, वित्तीय सहायता, ऋण सुविधाओं और हथकरघा क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। अंत में सभी अतिथियों, बुनकरों एवं उपस्थित प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

सरकार के आदेशों की उड़ रही धज्जियां, हाईवे की स्ट्रीट लाइटें बनीं शोपीस

भागूवाला-मोहनपुर मार्ग पर अंधेरे में सफर करने को मजबूर कांवड़िए, विभाग बेखबर

भागूवाला/बिजनौर (सब का सपना):- शासन द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद भागूवाला और मोहनपुर क्षेत्र से गुजरने वाले हाईवे पर लगी स्ट्रीट लाइटें और बिजली के पोल केवल शोपीस बनकर रह गए हैं। रात्रि के समय हाईवे पर अंधेरा पसरा रहने के कारण हरिद्वार से जल लेकर लौट रहे शिवभक्त कांवड़ियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि श्रद्धालु मोबाइल की टॉर्च अथवा सड़क से गुजरने वाले वाहनों की हेडलाइट के सहारे अपना सफर तय करने को मजबूर हैं। इससे किसी भी समय दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन के संज्ञान में मामला होने के बावजूद संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। शासन के आदेशों के बावजूद स्ट्रीट लाइटों को चालू नहीं कराया गया, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्रवासियों और शिवभक्तों ने जिला प्रशासन तथा विद्युत विभाग से मांग की है कि भागूवाला और मोहनपुर क्षेत्र में खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल चालू कराया जाए, ताकि कांवड़ियों और आम राहगीरों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

6 सूत्रीय मांगों को लेकर वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

नियमित भर्ती, ठेका प्रथा समाप्त करने, आउटसोर्स कर्मचारियों को स्थायी करने और सफाई कर्मचारी आयोग के गठन की उठाई मांग

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के कार्यकताओं ने शुक्रवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम संबोधित 6 सूत्रीय (ज्ञापन में 7 प्रमुख मांगों का भी उल्लेख) ज्ञापन जिलाधिकारी जसजीत कौर को सौंपा। कार्यकताओं ने नगर निकायों में रिक्त पदों पर स्थायी भर्ती, ठेका प्रथा समाप्त करने, आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित करने तथा वाल्मीकि समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। शुक्रवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में एकत्र हुए। यहां राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र सोढ़ी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र सोढ़ी, प्रदेश महामंत्री मनोज वाल्मीकि, मंडल अध्यक्ष यश कुमार, जिला अध्यक्ष विशाल पारछा, रंजीत पवार सहित अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और मुख्यमंत्री केनाम ज्ञापन जिलाधिकारी जसजीत कौर को सौंपा। ज्ञापन में प्रदेश की स्थानीय निकायों में वर्षों से कार्यरत सफाई कर्मियों को नियमित किए जाने, सफाई व्यवस्था में ठेकेदारी प्रथा समाप्त कर एक लाख स्थायी सफाई कर्मचारियों की भर्ती करने, वर्तमान में कार्यरत आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों को मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप 20 हजार रुपये मासिक वेतन देने, आउटसोर्स सेवा निगम का शीघ्र गठन कर कर्मचारियों का वेतन एवं अन्य सुविधाएं समय से उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के 1 अगस्त 2024 के आदेश के अनुरूप अनुसूचित जातिआरक्षण में वाल्मीकि समाज एवं अन्य वंचित जातियों को पृथक आरक्षण लागू करने, उत्तर प्रदेश सफाई कर्मचारी आयोग का शीघ्र गठन करने तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी द्वारा अनुसूचित जाति की सीटों पर वाल्मीकि समाज को 10 टिकट दिए जाने की मांग भी उठाई गई। इससे पूर्व आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि समाज के हितों की रक्षा और नगर निकायों के सफाई कर्मचारियों को उनका अधिकार दिलाने के लिए सभी को राजनीतिक मतभेद भुलाकर एकजुट होना होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र सोढ़ी, प्रदेश महामंत्री मनोज वाल्मीकि के.के. रंजन प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा अनीता सोढ़ी, रंजीत पवार, सूरज वाल्मीकि, दीपक चौटाला, सर्वेश वाल्मीकि, ताराचंद वाल्मीकि, गोविंद सिंह चैनवाल सहित बड़ी संख्या में मोर्चा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था पर एसपी अभिषेक झा की पैनी नजर, देर रात किया कांवड़ मार्गों का निरीक्षण

नगीना, धामपुर और नजीबाबाद सर्किल में सुरक्षा, ट्रैफिक व पुलिस व्यवस्था का लिया जायजा, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेशों के अनुरूप बिजनौर पुलिस कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित संपन्न कराने के लिए पूरी मुस्तैदी के साथ मैदान में डटी हुई है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने गुरुवार देर रात नगीना, धामपुर और नजीबाबाद सर्किल के विभिन्न कांवड़ मार्गों का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सभी पुलिस अधिकारी एवं जवान अपने-अपने ड्यूटी प्वाइंट पर सतर्क एवं तैनात मिले। एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन, बैरिकेडिंग, रात्रि गश्त तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े सभी इंतजामों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कांवड़ मार्गों पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस की निगरानी, लगातार गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने कहा कि कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही, अव्यवस्था या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे तत्वों के विरुद्ध तत्काल एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने अपनी पूरी पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि सभी अधिकारी और जवान पूरी निष्ठा, जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी पूरी पुलिस टीम पर गर्व है। हर पुलिसकर्मी पूरी लगन और समर्पण के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा में जुटा है। हमारा संकल्प है कि कांवड़ यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाए।

आस्था के महापर्व के बीच बिजनौर पुलिस की सक्रियता और सतर्कता से कांवड़ यात्रियों में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत हुआ है। पुलिस प्रशासन लगातार निगरानी बनाए हुए है ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा बिना किसी बाधा के सकुशल पूरी हो सके।

जलालाबाद की प्लाईवुड फैक्ट्री में भीषण आग, 10 से 12 लाख रुपये के नुकसान की आशंका

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना, दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू, जनहानि टली

बिजनौर (सब का सपना):- जलालाबाद क्षेत्र के जंगल में स्थित राईन एंटरप्राइजेज प्लाईवुड फैक्ट्री में शुक्रवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुआं उठता देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन फैक्ट्री में रखा प्लाईवुड व अन्य सामग्री जलने से करीब 10 से 12 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह फैक्ट्री से धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने तत्काल फैक्ट्री प्रबंधन और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन प्रभारी के.एस. जादौन अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास के बाद आग बुझाने में सफलता हासिल की। प्रारंभिक जांच में बरसात के दौरान हुए शॉर्ट सर्किट को आग लगने का संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि दमकल विभाग आग लगने के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच कर रहा है। फैक्ट्री के पार्टनर डॉ. इदरीश ने बताया कि आग से प्लाईवुड सहित अन्य सामान जल गया है, जिससे लगभग 10 से 12 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। उन्होंने बताया कि समय रहते दमकल विभाग के पहुंचने से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे कोई बड़ा हादसा और जनहानि नहीं हुई। प्रशासन एवं दमकल विभाग अब नुकसान का आकलन करने के साथ ही आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच में जुटा है।

श्रद्धा, सेवा और समर्पण का संगम, कांवड़ सेवा शिविर का भव्य शुभारंभ

शिवभक्तों की सेवा को समाजसेवियों ने बताया सबसे बड़ा पुण्य, श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, चिकित्सा और विश्राम की विशेष व्यवस्था

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- सावन माह में जलाभिषेक के लिए निकलने वाले कांवड़ यात्रियों की सेवा और सुविधा के उद्देश्य से नगर के मुरादाबाद मार्ग स्थित मनोकामना महाकाली मंदिर परिसर में भव्य कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा-अर्चना के बीच शिविर का उद्घाटन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शिवभक्त, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिविर का शुभारंभ थाना प्रभारी संजय तोमर, वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. मनोज वर्मा, समाजसेवी संजय जैन तथा भाजपा नेता एडवोकेट अमित वर्मा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। अतिथियों ने शिविर में उपलब्ध कराई गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए आयोजकों की सराहना की।

इस अवसर पर थाना प्रभारी संजय तोमर ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, अनुशासन और सेवा का प्रतीक है। पुलिस प्रशासन श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यात्रा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों से शिवभक्तों की सेवा में सहयोग करने की अपील की। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मनोज वर्मा ने कहा कि शिवभक्तों की निस्वार्थ सेवा मानवता की सच्ची मिसाल है। सेवा शिविर समाज में भाईचारे, सहयोग और सद्भाव का संदेश देते हैं तथा ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। शिविर में कांवड़ यात्रियों के लिए शुद्ध पेयजल, शीतल पेय, प्राथमिक उपचार, विश्राम स्थल, प्रसाद तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। पूरे परिसर में "हर-हर महादेव" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में प्यारे लाल सैनी, अमित शर्मा, डॉ. राज बहादुर शर्मा, राजीव वर्मा, राजबीर त्यागी, विपिन शर्मा, संजीव भंडारी सहित अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने शिवभक्तों की सेवा को पुण्य का कार्य बताते हुए शिविर के सफल संचालन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएँ दीं।

सांसद चंदन चौहान ने रेल मंत्री से की मुलाकात, बिजनौर के लिए नई ट्रेनों व रेल परियोजनाओं को दी प्राथमिकता

बिजनौर ट्रेन, बिजनौर मुरादाबाद रेल सेवा, बिजनौर हस्तिनापुर रेलमार्ग और प्रस्तावित, फ्लाईओवरों पर हुई विस्तृत चर्चा

बिजनौर (सब का सपना):- बिजनौर लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंदन चौहान ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार तथा यात्री सुविधाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान सांसद ने बिजनौर की लंबे समय से लंबित रेल एवं आधारभूत ढांचा परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने की मांग उठाई। सांसद ने रेल मंत्री के समक्ष बिजनौर से नई दिल्ली के लिए एक नई दैनिक ट्रेन संचालित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सुझाव दिया कि ट्रेन प्रातःकाल बिजनौर से नई दिल्ली के लिए रवाना हो तथा शाम के समय नई दिल्ली से बिजनौर लौटे, जिससे व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और आम यात्रियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिल सके। इसके अलावा सांसद ने बिजनौर से मुरादाबाद के बीच नई रेल सेवा शुरू करने की मांग भी रखी, ताकि क्षेत्र का मुरादाबाद सहित अन्य प्रमुख शहरों से रेल संपर्क और अधिक सुदृढ़ हो सके। बैठक में बिजनौरझहस्तिनापुर प्रस्तावित रेलमार्ग की वर्तमान स्थिति पर भी चर्चा हुई। सांसद ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को शीघ्र गति देने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के विकास और कनेक्टिविटी को नई दिशा मिलेगी। सांसद ने बिजनौर लोकसभा क्षेत्र में प्रस्तावित विभिन्न रेलवे फ्लाईओवरों की स्वीकृति एवं निर्माण प्रक्रिया की भी जानकारी ली। उन्होंने बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए फ्लाईओवर निर्माण कार्यों को जल्द शुरू कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री चंदन चौहान ने कहा कि बिजनौर के समग्र विकास के लिए बेहतर रेल एवं सड़क संपर्क अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की जनता से जुड़े विकास कार्यों और जनहित के मुद्दों को वह निरंतर केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से उठाते रहेंगे। सांसद प्रतिनिधि विजय चौहान ने बताया कि सांसद चंदन चौहान बिजनौर लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं तथा जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

कॉलेजों में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- सरस्वती विद्या मंदिर लॉ कॉलेज एवं श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय में स्त्री वेलफेयर फाउंडेशन के ह्यआनंदी मां–एक जीवन बचाओ अभियान, कैंसर मुक्त भारत यात्रा 2026-27ह्ल के तहत कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव, प्रारंभिक जांच और टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया। पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता में छात्राओं ने रचनात्मक संदेशों के माध्यम से कैंसर से बचाव का संदेश दिया। पोस्टर प्रतियोगिता में सुमैया प्रथम व ममता द्वितीय तथा स्लोगन प्रतियोगिता में अंजलि प्रथम व प्राची द्वितीय रहीं। कॉलेज परिसर में जागरूकता रैली भी निकाली गई। श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय में आयोजित सेमिनार में प्राचार्य डॉ. ललित कुमार गुप्ता ने छात्राओं एवं शिक्षिकाओं से प्राप्त जानकारी को समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया।

वाल्मीकि समाज की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बुलन्दशहर(सब का सपना):- राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपकर वाल्मीकि समाज एवं सफाई कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में स्थानीय निकायों में वर्षों से कार्यरत दैनिक वेतन एवं संविदा सफाई कर्मचारियों को नियमित करने, ठेकेदारी प्रथा समाप्त कर स्थायी सफाई कर्मचारियों की भर्ती करने, आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों का मानदेय मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार ड्ड20 हजार प्रतिमाह करने तथा आउटसोर्स सेवा निगम का गठन करने की मांग की गई। इसके अलावा वाल्मीकि एवं वंचित जातियों को अनुसूचित जाति आरक्षण में पृथक आरक्षण देने, उत्तर प्रदेश सफाई कर्मचारी आयोग का शीघ्र गठन करने तथा आगामी विधानसभा चुनाव में वाल्मीकि समाज को प्रतिनिधित्व देने की मांग भी उठाई गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष विनय कुमार गौरव, प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र मोहन, जिला उपाध्यक्ष जय प्रकाश, शिव कुमार, सोनी प्रधान, राष्ट्रीय महामंत्री श्याम मकवाना सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस ने बेहोश कांवड़िया का उपचार कराकर शिविर में भेजा

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- कांवड़ यात्रा के दौरान शिकारपुर कोतवाली पुलिस ने मानवीय पहल करते हुए भूख और अत्यधिक थकान के कारण सड़क किनारे अचेत मिले एक कांवड़िया का उपचार कराया और भोजन खिलाकर सुरक्षित कांवड़ शिविर में पहुंचाया। शुक्रवार को कोतवाली प्रभारी निरीक्षक यज्ञदत्त शर्मा पुलिस टीम के साथ शिकारपुर-अनूपशहर कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सहायता में जुटे थे। पुलिस की इस सेवा भावना की जानकारी मिलने पर लोगों ने सराहना की। कोतवाल ने कांवड़ियों को पानी की बोतलें वितरित कर समय-समय पर विश्राम करने, गर्मी से बचने तथा अस्वस्थता की स्थिति में तत्काल पुलिस की सहायता लेने की अपील की।

कांवड़ियों की सेवा को रवाना हुई मोबाइल स्वास्थ्य टीम

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- कांवड़ियों की सेवा के लिए औरंगाबाद के चिकित्सक डॉ. विपिन लोधी के नेतृत्व में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की मोबाइल स्वास्थ्य टीम गुरुवार को हरिद्वार के लिए रवाना हुई। टीम हरिद्वार से अहार तक कांवड़ मार्ग पर दिन-रात कांवड़ियों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराएगी। डॉ. विपिन लोधी पिछले 14 वर्षों से लगातार कांवड़ यात्रा के दौरान सेवा शिविर संचालित कर रहे हैं। इस बार भी मोबाइल स्वास्थ्य शिविर 11 अगस्त तक निरंतर जारी रहेगा। टीम में डॉ. मनोज कुमार, राजेन्द्र पाल सिंह उर्फ राजू मेडिकल स्टोर वाले, भोला लोधी, मुकेश आदि सहयोग कर रहे हैं। रवाना होने से पूर्व टीम ने चामुंडा मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर कमेटी के सेवादारों ने सेवा कार्य की सराहना करते हुए टीम को भावभीनी विदाई दी। इस दौरान जसवंत सैनी, जवाहर लाल सैनी, पवन थोर, कर्मवीर भड़ाना, मूला सैनी व अरुण लोधी मौजूद रहे।

बूथ स्तर पर संगठन मजबूत कर हर वर्ग तक पहुंचाएंगे पार्टी की नीतियां

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- नई सड़क रोड स्थित अपना दल (एस) के कैंप कार्यालय पर पार्टी की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजकुमार भुर्जी ने की तथा संचालन जिला महासचिव खालिक अंसारी ने किया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष राजकुमार भुर्जी ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य समाज के पिछड़े, शोषित और वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ना तथा उन्हें संगठन में उचित भागीदारी देना है। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर जनता, किसानों एवं युवाओं की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया। बैठक में पवन चौधरी, पुरुषोत्तम सैन, खालिक अंसारी, दीपक गौतम, गोपाल शर्मा, धर्मेंद्र चौहान, खुशी सागर, हामिद अली सैफी, प्रतीक भारद्वाज, अंकुर पाल, प्रशांत माहुर लोधी, कृष्ण कुमार, असलम खान सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खुर्जा से निकली समरसता कलश वंदन यात्रा, जन-जन तक पहुंचाया संत रविदास का संदेश

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना) संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भाजपा के समरसता संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को खुर्जा विधानसभा से पावन माटी युक्त कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ हुआ। खुर्जा विधायक मीनाक्षी सिंह ने कलश को सिर पर धारण कर यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा मुंडाखेड़ा मंडल के ग्राम धरपा, केरला, बिरौली से होते हुए रोडवेज वाल्मीकि मंदिर, किला, मवई, जेवर

अड्डा, संत रविदास मंदिर, सिटी स्टेशन और नेहरूपुर सहित विभिन्न स्थानों पर पहुंची। ग्रामीणों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। विधायक मीनाक्षी सिंह ने कहा कि संत गुरु रविदास जी ने समाज को समानता, समरसता और मानवता का संदेश दिया। वहीं अभियान संयोजक एवं भाजपा जिला महामंत्री संतोष वाल्मीकि ने बताया कि यह यात्रा जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों एवं मंडलों में पहुंचकर संत रविदास जी के विचारों का संदेश जन-जन तक पहुंचाएगी। इस अवसर पर गौरव मित्तल, ऋषभ पंडित, कुलदीप चौधरी सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

बिजली विभाग पर अभद्रता व वसूली के आरोप,किसान यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय हलधर किसान यूनियन ने बिजली विभाग के जेई व कर्मचारियों पर ग्रामीणों से अभद्रता, झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने और अवैध वसूली के आरोप लगाए हैं। यूनियन पदाधिकारियों ने मुख्य अभियंता, विद्युत विभाग को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन के अनुसार, 30 जुलाई को जेई सुजीत कुमार, कर्मचारी राहुल तिवारी व अन्य टीम गांव में जांच के लिए पहुंची थी। यूनियन का आरोप है कि बिजली चोरी नहीं मिलने के बावजूद ग्रामीणों से अभद्र व्यवहार किया गया तथा कथित रूप से पैसे की मांग की गई। पीड़ित परिवार ने 4 अगस्त को विभागीय अधिकारियों और ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत भी की थी। यूनियन ने चेतावनी दी कि 15 दिनों में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

चंडीगढ़ व्यापार मंडल के पांच बार अध्यक्ष रहे चरणजीव सिंह भाजपा में शामिल, पार्टी संगठन को मिलेगी नई मजबूती

चंडीगढ़। चंडीगढ़ व्यापार मंडल के पांच बार अध्यक्ष रहे चरणजीव सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण की। सेक्टर-33 स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय 'कमलम' में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा ने उन्हें पार्टी का पटका पहनाकर विधिवत सदस्यता ग्रहण करवाई। जतिंदर पाल मल्होत्रा ने चरणजीव सिंह का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि उनके लंबे सामाजिक एवं व्यापारिक अनुभव से भाजपा संगठन को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि व्यापारी वर्ग के हितों की रक्षा तथा उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। चरणजीव सिंह ने भाजपा की नीतियों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तथा व्यापारियों के हित में केंद्र सरकार द्वारा किए गए कार्यों पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने तथा व्यापार मंडल और व्यापारी समाज की आवाज को और अधिक प्रभावी ढंग से उठाने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर भाजपा हरियाणा की नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष लतिका शर्मा, भाजपा चंडीगढ़ प्रकोष्ठों एवं विभागों के प्रभारी शक्ति प्रकाश देवशाली, सह-प्रभारी रमेश सहोर, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रभारी मोहित सूद, व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक बलजिंदर गुजराल तथा बड़ी संख्या में व्यापारी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

10 अगस्त को बिजनौर में किसान सभा का जेल भरो आंदोलन, कलक्ट्रेट पहुंचने का आह्वान

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश किसान सभा बिजनौर ने विभिन्न जनसमस्याओं और किसान-मजदूरों की मांगों को लेकर 10 अगस्त 2026 को जिला कलक्ट्रेट पर जेल भरो आंदोलन का आह्वान किया है। किसान सभा ने किसानों, मजदूरों, युवाओं और आमजन से अधिक से अधिक संख्या में दोपहर 12 बजे बिजनौर कलक्ट्रेट पहुंचकर आंदोलन को समर्थन देने की अपील की है। किसान सभा की ओर से जारी अपील में कहा गया है कि किसानों और मजदूरों के शोषण, बेरोजगारी, मनरेगा, बिजली मीटर की समस्याओं तथा अन्य जन मुद्दों को लेकर आवाज उठाई जा रही है। संगठन ने आरोप लगाया कि जनता की आवाज दबाने के प्रयास किए जा रहे हैं तथा किसानों और मजदूरों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। किसान सभा ने अपनी प्रमुख मांगो में कहा है कि यूनतम मजदूरी 26 हजार रुपये करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार लागू करने तथा फसल खरीद की कानूनी गारंटी देने की मांग की है। इसके अलावा सभी किसानों का कर्ज माफ करने, मुख्य व्यापार समझौता रद्द करने और मनरेगा बहाल करने की मांग उठाई गई है।

संगठन ने चारों श्रम संहिताएं वापस लेने, अन्यायपूर्ण भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाने तथा महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, स्मार्ट मीटर और बिजली निजीकरण पर रोक लगाने की मांग भी की है। साथ ही सांप्रदायिकता पर अंकुश लगाने, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और दलितों के उत्पीड़न पर रोक, शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त करने और परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग रखी गई है।

किसान सभा ने गैस, पेट्रोल और डीजल के दाम कम करने, नदियों की बाढ़ का स्थायी प्रबंध करने तथा खाद-बीज पर सब्सिडी बढ़ाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई है।

उत्तर प्रदेश किसान सभा बिजनौर ने सभी संबंधित लोगों से 10 अगस्त को दोपहर 12 बजे से अधिक से अधिक संख्या में बिजनौर कलक्ट्रेट पहुंचकर मांगों के समर्थन में जेल भरो आंदोलन में भाग लेने की अपील की है।

पीरनपुर में नाली से मिला अज्ञात युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

फतेहपुर (सब का सपना):- शहर के सदर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पीरनपुर इलाके में शुक्रवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव नाली में पड़े मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने सुबह नाली में शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को नाली से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की है। साथ ही शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। सोशल मीडिया के जरिए भी मृतक की तस्वीर जारी कर पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में कई एंगल पर काम हो रहा है। कुछ लोगों का कहना है कि युवक नशे की हालत में नाली में गिर गया होगा और बाहर न निकल पाने के कारण मौत हुई होगी। पुलिस ने इस संभावना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। हत्या की आशंका को भी अभी खारिज नहीं किया गया है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ही मौत का सही कारण स्पष्ट होगा। अधिकारियों के मुताबिक पहचान होने के बाद जांच को नई दिशा मिलेगी और यह तय हो पाएगा कि मामला दुर्घटना है, या नशे से जुड़ा है या कोई आपराधिक घटना। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी के परिजन या जानकार लापता हैं या मृतक के बारे में कोई जानकारी है तो तुरंत सदर कोतवाली से संपर्क करें। सबकी नजरें तीन बातों पर हैं सीसीटीवी फुटेज से घटना की पूरी टाइमलाइन, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण, और मृतक की जल्द पहचान।

पंजाब एवं हरियाणा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी, चंडीगढ़ में हाई अलर्ट; बम निरोधक दस्ता पहुंचा

चंडीगढ़। चंडीगढ़ स्थित पंजाब एवं हरियाणा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, सचिवालय परिसर में स्थित सीआईएसएफ कंट्रोल रूम को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें बम होने की सूचना दी गई। ई-मेल मिलते ही सीआईएसएफ ने तुरंत स्थानीय पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी। इसके बाद सचिवालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और बम निरोधक दस्ता तथा डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाकर सर्च अभियान शुरू किया गया। सुरक्षा एजेंसियां सचिवालय के सभी ब्लॉकों, प्रवेश द्वारों, पार्किंग क्षेत्र और अन्य संवेदनशील स्थानों की गहन जांच कर रही हैं। एहतियात के तौर पर परिसर में आने-जाने वालों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धमकी भरे ई-मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। फिलहाल यह जांच की जा रही है कि ई-मेल वास्तविक खतरे से जुड़ा है या किसी ने शरारतन भेजा है। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील की है। मामले की जांच जारी है।

मोहाली के शिवालिक पब्लिक स्कूल में बम धमाके की धमकी, ई-मेल से मचा हड़कंप, बच्चों की समय से पहले छुट्टी

मोहाली। फेज-6 स्थित शिवालिक पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को बम धमाके की धमकी का ई-मेल आया। इससे हड़कंप मच गया। बच्चों की समय से पहले छुट्टी करनी पड़ी। पुलिस ने सर्च अभियान चलाया। स्कूल की मेल पर मैसेज आया कि स्कूल में 1.10 बजे ब्लास्ट होने वाला है इसलिए स्कूल खाली करवा दिया जाए। मैसेज में खालिस्तान नेशनल आर्मी सहित कनाडा में रहने वाले लोगों का जिक्र किया गया है। इसी ई-मेल में मोहाली के स्कूलों में बम धमाके , रेल पटरियों पर धमाके, मोहाली मेयर आफिस और पंजाब विधानसभा में धमाके होने का जिक्र किया गया है। इस बारे में स्कूल प्रबंधकों की ओर से पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद स्कूल स्टाफ की ओर से सभी क्लासों के बच्चों को बाहर खुले में निकाल कर रखा गया। बच्चों के परिजनों को फोन पर जल्द स्कूल पहुंचने के लिए कहा गया। जो बच्चे बसों पर स्कूल आते है उन्हें बसों से घरों की ओर रवाना किया गया। पुलिस के जवानों ने पहुंच कर स्कूल की जांच की लेकिन कोई आपत्तिजनक चीज नहीं मिली। परिजन हुए परेशान स्कूल से बच्चे लेने आए परिजनों की ओर से कहा गया कि उन्हें अपना काम छोड़ कर बच्चों को वापस लेने के लिए आना पड़ा है। परिजनों ने यह भी कहा कि स्कूलों में बम की मेल डालने वालों का पता लगा कर उन्हें पकड़ा जाना चाहिए। कई परिजनों ने कहा कि मोहाली-चंडीगढ़ की सड़कों पर आज भारी जाम लगा है जिस कारण उन्हें आने में परेशानियों का सामना करना पड़ा।

सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में स्मार्ट बोर्ड व जनरेटर का लोकार्पण

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- विद्या भारती से संबद्ध सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, रामलीला बाग, नगीना में शुक्रवार को स्मार्ट बोर्ड एवं जनरेटर का विधि-विधान के साथ पूजन कर शुभारंभ किया गया। इस पहल से विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल शिक्षा का लाभ मिलेगा, वहीं भीषण गर्मी के दौरान निर्बाध विद्युत व्यवस्था से राहत भी मिलेगी। कार्यक्रम का उद्घाटन नगर के प्रसिद्ध मिष्ठान व्यवसायी टीकम चंद गुप्ता तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिला धामपुर के जिला कार्यवाह विपिन कुमार ने संयुक्त रूप से किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चना की विधि आचार्य मार्कण्डेय शर्मा ने संपन्न कराई। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष प्रदीप कुमार गर्ग, उपाध्यक्ष हेमंत कुमार सिंह, प्रबंधक डॉ. संदीप शर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ. बालेश, सदस्य संजय वर्मा एवं संजीव गुप्ता, प्रधानाचार्य महेश सिंह चौहान सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। लोकार्पण के बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से अध्ययन प्रारंभ किया।

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि डिजिटल शिक्षा के इस नए कदम से विद्यार्थियों की पढ़ाई अधिक प्रभावी और आधुनिक बनेगी, जबकि जनरेटर की सुविधा से बिजली बाधित होने पर भी शिक्षण कार्य निर्बाध रूप से जारी रहेगा।

मिल सकती है फूलों-सी कोमल काया

तेज रसायनयुक्त उत्पाद आपकी त्वचा पर रूखापन और खिंचाव पैदा करते हैं। कृत्रिम खुशबूदार उत्पाद भी आपकी त्वचा के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए आप अपनी त्वचा की बेहतर देखभाल के लिए अधिक से अधिक प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करें, साथ ही यहां दिए जा रहे टिप्स पर भी ध्यान रखें।

साफ रखें अपनी त्वचा

आपकी त्वचा साफ रहे इसके लिए आवश्यक है त्वचा को साफ रखना। अत्यधिक रसायनयुक्त क्रीम या प्रसाधनों के इस्तेमाल से बचें। हफ्ते में एक बार गुनगुने पानी से स्नान त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। घरेलू फेसपैक से त्वचा को दें नया निखार। इसके लिए दो चम्मच गेहूं के आटे में एक चम्मच बादाम रोगन, एक चम्मच गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बना लें और उसे चेहरे पर दस मिनट तक लगाएं। फिर हलके हाथों से मलकर छुडाएं। ऐसा हफ्ते में दो बार करें। इससे आपकी त्वचा कांतिमय हो जाएगी और उसे बाहरी व आंतरिक नमी भी मिलेगी।

तनाव से रहें दूर

तनाव कई प्रकार के होते हैं। शारीरिक तनाव तब होता है, जब आप अत्यधिक कार्य करती हैं और कुछ समय बाद आपका शरीर थक जाता है। इसका सीधा असर आपकी त्वचा पर पडता है, क्योंकि इससे आपकी त्वचा के लिए जरूरी नमी खत्म होने लगती है और त्वचा रूखी और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने शरीर को आवश्यकतानुसार आराम करने का भी मौका दें। जब आप तनाव में होती हैं तो उसका असर भी आपकी त्वचा पर पडता है। जो स्त्रियां अधिक तनाव में रहती हैं उनकी त्वचा उम्र से पहले झुर्रियों युक्त, रूखी, बेजान हो जाती है। जहां तक हो छोटे-छोटे, अनावश्यक तनावों को मन में पाले न रहें। उनसे जितनी जल्दी हो मुक्ति पाने का प्रयास करें। आप अगर खुश रहेंगी तो आपका चेहरा भी खिला-खिला नजर आएगा।

बचें मानसिक तनाव से

यह तो सभी को पता है कि चिंता चिता के समान होती है। लेकिन इस बात की जानकारी कम ही लोगों को होगी कि अत्यधिक चिंता करने से आपकी त्वचा को नमी प्रदान करने वाली ग्रंथियों का संतुलन भी बिगड जाता है, जिसका परिणाम तुरंत आपकी त्वचा पर दिखता है जैसे-झुर्रियां, रूखापन और लकीरें। मानसिक तनाव से बचने के लिए जरूरी है कि आप चीजों को सकारात्मक रूप से लें। अधिक तनाव आपके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।

करें भावनाओं पर नियंत्रण

वैवाहिक मतभेद या किसी अपने से अलग होने का गम, प्यार में धोखा खाने से आप भावनात्मक रूप से तनावग्रस्त हो जाती हैं। इसका प्रभाव आपकी त्वचा पर साफ दिखाई देता है। आप खुद ही महसूस करें कि कई बार गुस्से या शर्म से आपका चेहरा लाल हो जाता है। देखिए कि कैसे भावनाओं का सीधा असर आपके चेहरे पर पडता है। बहुत अधिक तनावग्रस्त होने पर आपकी त्वचा कई बार फटने लगती है या फिर जो स्त्रियां हमेशा तनाव में रहती हैं उनके माथे और आंखों के आसपास लकीरें बन जाती हैं। इन लकीरों का उम्र से कोई वास्ता नहीं होता है। ऐसे तनाव से बचने के लिए मेडिटेशन या ध्यान एक अच्छा उपाय है। इसे अपनी आदत बनाएं। सिर्फ एक दिन-दो दिन योग या मेडिटेशन करने भर से ही तनाव कम नहीं होता। सुबह उठकर टहलें। हरे-भरे, रंगीन फूलों से लदे पेड आपमें जीने की नई ललक और ऊर्जा भर देंगे और आपका मन हलका हो जाएगा।

वरदान है पानी

खूब पानी पिएं। सौंदर्य विशेषज्ञा मीनाक्षी दत्त और वंदना लूथरा का कहना है कि पानी त्वचा के लिए वरदान है। पानी में कुछ मसालों का प्रयोग करके उसे और भी फायदेमंद बनाया जा सकता है। जिसका एक आसान तरीका यह है कि पानी उबालें और उसे एक जार में डाल दें। अब उसमें काली मिर्च पाउडर, गुलाब की 5-6 पंखुडियां और एक चुटकी इलायची पाउडर डालकर जार ढंक दें। फिर इसे थोडा-थोडा दिन में कई बार पिएं। ठंडाई का भी सेवन करें।

मालिश दे युवा त्वचा

तेल मालिश से त्वचा स्वस्थ और लंबे समय तक युवा रहती है। बेहतर परिणाम के लिए नहाने से पूर्व रोजाना हर्बल तेल से अपनी त्वचा की मालिश करें। अपने मनपसंद बॉडी ऑयल से नहाने के 45 मिनट पूर्व तेल मालिश करें। फिर पानी में रोज एसेंशियल ऑयल डालकर नहाएं।

सीखें खुश रहना

जब आप अच्छी-अच्छी बातें सोचती हैं और खुश रहती हैं तो आपके चेहरे पर एक अलग चमक और रौनक आ जाती है। खुश रहने से त्वचा में एकत्रित नमी का संतुलन बना रहने के साथ ही रक्तसंचार भी सुचारु रूप से होता है। खुलकर हंसना एक अच्छी एक्सरसाइज भी है। आप खुद ही आजमाकर देख लीजिए।

अपने लिए निकालें समय

अपने व्यस्त जीवन में अपने लिए समय निकालना भी बेहद जरूरी है। हफ्ते में कोई एक दिन ऐसा निकालें जो सिर्फ आपके नाम हो। इस दिन आप अपने हाथों, पैरों और त्वचा की संपूर्ण सफाई के लिए कुछ घरेलू पैक बनाएं। सौंदर्य विशेषज्ञा सुपर्णा त्रिखा कहती हैं कि अगर आपके पास ज्यादा समय न हो तो कोई एक गूदेदार मौसमी फल को मैश करके त्वचा पर हलके हाथों से कुछ देर स्क्रब करें। फिर ऐसे ही छोड दें। फिर ठंडे पानी धोकर पोंछ लें। इसी प्रकार हाथों और पैरों का सौंदर्य बढाने के लिए हलके गर्म पानी में कुछ बूंदें ग्लिसरीन और आधा चम्मच पिसी फिटकरी मिलाकर अपने हाथों और पैरों को उसमें डुबोएं। फिर नीबू के छिलके से कोहनियों को अच्छी तरह साफ करें। साफ पानी से धोकर सुखा लें। फिर बॉडी क्रीम लगाएं। अगर आप हफ्ते में एक बार भी ऐसा करती हैं तो त्वचा के लिए जरूरी पोषण आसानी से मिल जाएगा। ऐसे ही कुछ आसान तरीके अपनाकर आप अपनी त्वचा ही नहीं, बल्कि तन और मन को स्वस्थ रख सकती हैं।

कुकुम्बर सबमरीन

सामग्री : 5 ककड़ी, 200 ग्राम पनीर कद्दूकस किया हुआ, 1 छोटी गाजर कद्दूकस की हुई, 1 शिमला मिर्च, 1 बारीक कटा हुआ टमाटर, नमक व कालीमिर्च पाउडर स्वादानुसार।

विधि : ककड़ी को छीलकर बीच में से लंबाई में काटकर उसके दो टुकड़े कर लें और अंदर का गूदा निकाल लें। अब ककड़ी का गूदा पनीर, कटी हुई शिमला मिर्च, टमाटर व गाजर- इन सबको मिला लें। नमक व कालीमिर्च डालें और फिर इस मिश्रण को ककड़ी में भर दें।

हेयर स्टाइल से जगाएं आत्मविश्वास

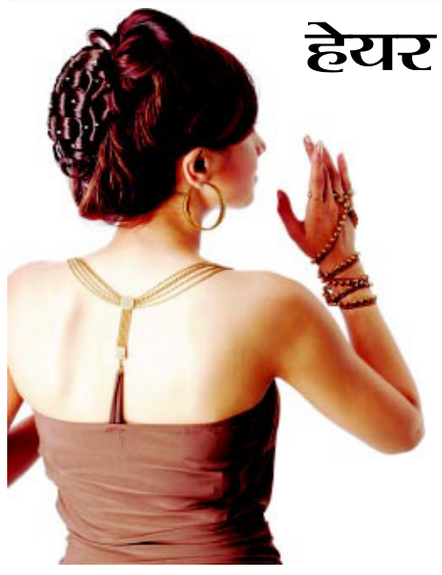

बाल चाहे किसी भी प्रकार के हों, उनका सुंदर और स्वस्थ होना आपमें आत्मविश्वास पैदा करता है। सही ढंग से संवारे गए बाल भी आपको बेहतर रूप प्रदान करते हैं। शर्त यह है कि वह आपके व्यक्तित्व पर सूट करते हों। कैसा हेयर स्टाइल चलन में है, इसे लेकर परेशान होने से बेहतर होगा कि ऐसा हेयर स्टाइल अपनाएं, जो आपके व्यक्तित्व के अनुकूल हो और आप जिसे संभाल व संवार सकें। कोई नया स्टाइल तभी अपनाएं जब आप उसे आत्मविश्वास के साथ रख सकें।

- बालों के स्टाइल के लिए यह नहीं कहा जा सकता है कि यही तीन-चार प्रकार के स्टाइल चलन में हैं। हर तरह के स्टाइल आज चलन में हैं। आप अपने बाल कैसे संवारें, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह आपके सौंदर्य को बढा रहा है या फिर घटा रहा है।
- स्ट्रेट बाल आजकल काफी पसंद किए जा रहे हैं। इसके लिए आप सेमी या परमानेंट स्ट्रेटंनंग करा सकती हैं। इसके बाद बालों की विशेष देखभाल करनी होती है। दरअसल, बालों में किसी भी तरह का केमिकल इस्तेमाल होने से वे कमजोर और पहले से अधिक रूखे हो जाते हैं। उनकी कंडीशनिंग बहुत आवश्यक होती है।
- हलके घुंघराले बालों को खुला छोडा जा सकता है। यह स्टाइल वेस्टर्न आउट फिट्स पर जंचता है।
- बाल लंबे और सीधे हों तो उन्हें खुला भी छोड सकती हैं या फिर पोनी भी बना सकती हैं।
- शाम के किसी कार्यक्रम के लिए फ्रेंच बन भी अच्छा लगता है।

बिंदास आर्टिफिशियल कड़े

आजकल आर्टिफिशल कड़ें महिलाओं को काफी लुभा रहे हैं। अब ये हर रंग हर डिजाइन में मार्केट में उपलब्ध है, जिन्हें आप अपने ड्रेस को साथ मैचिंग कर पहन सकती हैं। बेशक सोने और हीरे के कंगन महिलाओं का पसंदीदा आभूषण रहा है, लेकिन इनकी भी महत्ता कम नहीं है। कॉलेज जानेवाली लड़कियां ही नहीं, शादीशुदा युवा महिलाएं भी आर्टिफिशल कड़ों से बिंदास लुक पाती हैं। तरह-तरह के डिजाइन, आकार व कार्विंग लिए ये कड़े देखने में बेहद ट्रेंडी और लुभावने लगते हैं। विभिन्न राज्यों में बनाये जा रहे मेटल, लाख व मोती जड़ित इन कड़ों की अपनी अलग ही दुनिया है। अपनी कलाई के सौंदर्य को और भी निखारने के लिए आप भी इन्हें पहन सकती हैं। साथ ही प्रिंटेड, पेंटिंग लिए व सॉटर्न के धागों में लिपटे ये कड़े बेहद खूबसूरत लगते हैं। आपकी साड़ी या सूट से मैच करते हुए ये कड़े आपको फैशनेबल बनायेंगे, इसमें कोई शक नहीं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3972

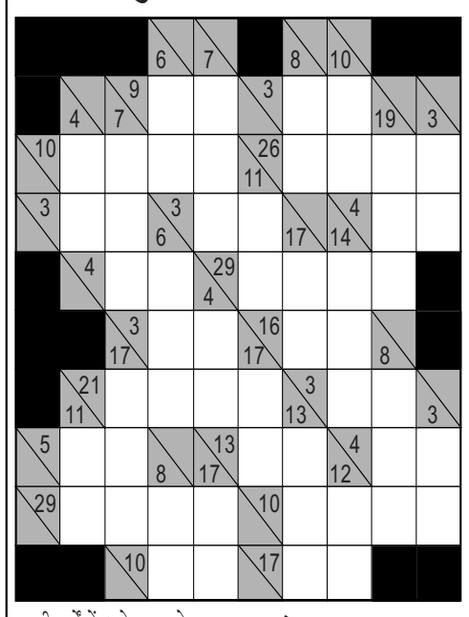

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

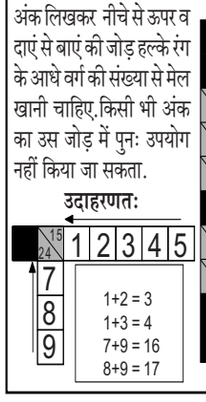

काकुरो -3971 का हल

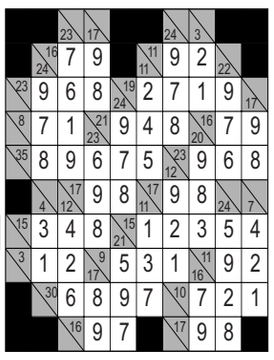

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

□ □ □

कवि (पत्नी से), ''तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।''

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली - 3972

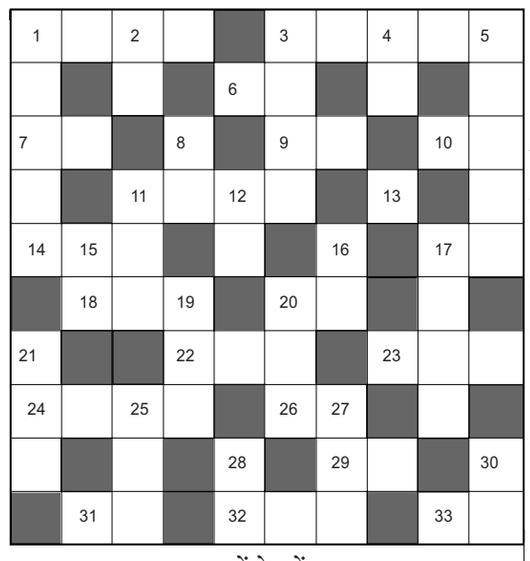

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन-मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन ?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3971

बं	दि	नी	■	■	पु	■	गैं	ब	ल	र
ध	■	ल	ल	का	र	■	हा	■	वी
न	सी	म	■	र	■	प	र	वा	ना
■	मा	■	श	■	सु	र	■	सु	■
आ	■	आ	शि	क	■	दे	वी	■	ह
ह	मे	शा	■	ह	व	स	■	स	त्या
■	ला	■	आ	र	जू	■	खे	ल	■
बे	■	ला	वा	■	द	स	■	मा	या
खु	■	■	ग	जू	■	फ	र्ज	■	ग
दी	वा	ने	■	ली	ड	र	■	टी	ना

सूडोकु -3972

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3971 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 3972

बाएँ से दाएँ

1. असभ्यता,मूर्खता-4
3. निर्भय,बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा,शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता,गुलामी-5
14. दानव,दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई,छाया-2
19. आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल,वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा,सूजी-2
30. गुलिस्तां,बाग-3
31. एक ग्रह,शनिश्चर-2
32. दबाना,कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा,अनोखा-3
4. लक्ष्मी,कमला-2
5. खोजना,रोना-4
6. एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष,होशियार-3
10. जमीकंद,एक सब्जी-3
12. धैर्य,संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा,तला-2
21. पुत्र,बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर,बाण-2

शब्द पहेली -3971 का हल

■	अ	स	भ	यो	ग	■	अ	दा	ब	त
र	क्स	■	रा	■	ग	रु	ड़	■	न	र
ख	■	स	ना	त	न	■	ना	म	■	क
र	फ्ता	र	■	■	चुं	गी	■	त	म	स
खा	■	मा	■	चा	बी	■	सी	■	ही	■
ब	ल	या	का	र	■	प	रा	या	प	न
■	क	■	या	■	का	ल	■	द	■	क
द	वा	त	■	भ	ला	■	■	गा	य	ब
र	■	र	ज	■	बा	जी	ग	र	■	ज
क	र	■	ल	ह	जा	■	र्ज	■	खा	न
ना	ज़ा	य	ज	■	र	घु	ना	य	क	■

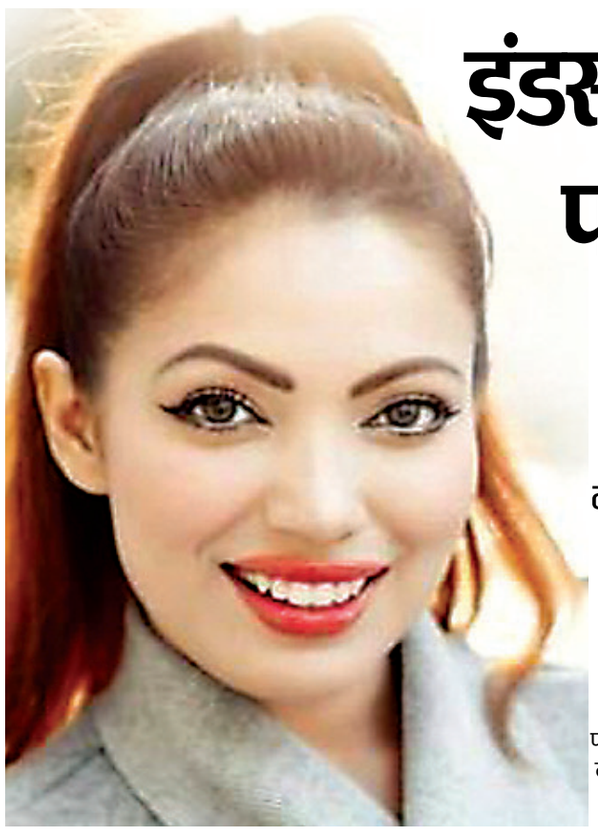

इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार हैं

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का रोल करने वाली मुनमुन दत्ता ने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री में औरतों को लेकर भेदभाव किया जाता है। उन्हें उतना क्रेडिट नहीं दिया जाता, जितना वो डिजर्व करती हैं। शो के बारे में भी एक्ट्रेस ने काफी कुछ कहा।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता, बबीता जी का रोल निभाकर घर-घर में पहचानी जाने लगीं। हाल ही में उन्होंने कहा कि इस लंबे समय से चल रहे शो में महिलाओं के योगदान के लिए उन्हें अधिक पहचान मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि वे शो और अपने किरदारों में बहुत योगदान देती हैं। TMKOC के 18 साल पूरे होने के मौके पर हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुनमुन ने अपनी महिला को-स्टार्स के लिए तारीफ जाहिर की। उन्होंने उनके हुनर, कमिटमेंट और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की। एक्ट्रेस ने खुद को मजबूत फेमिनिस्ट बताया और कहा कि उन्होंने शो में दूसरी महिलाओं को कभी भी कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखा।

उन्होंने कहा, 'मैं लड़कियों का साथ देने वाली और पुराने ख्यालों वाली इंसान हूं। मैं एक मजबूत फेमिनिस्ट हूं। मेरा मानना है कि अगर आगे बढ़ना है, तो साथ मिलकर बढ़ना होगा। मुझे यहां किसी से भी कभी असुरक्षा महसूस नहीं हुई।' मुनमुन ने शो की कास्ट के पुराने और नए, दोनों तरह के सदस्यों की तारीफ की और कहा कि शो की कामयाबी में सभी का अहम योगदान रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमारी कास्ट में कुछ बेहतरीन सदस्य हाल ही में शामिल हुए हैं और वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हर कोई अपने-अपने तरीके से शानदार काम कर रहा है।' इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी महिला साथियों का खास जिक्र किया।

'तारक मेहता' की एक्ट्रेसेस अलग

उन्होंने गोकुलधाम सोसाइटी की महिलाओं का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस की अलग-अलग तारीफ की और उनके साथ काम करने के अनुभव को शानदार, समझदार और बेहतरीन बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही शो की कामयाबी का पूरा श्रेय उन्हें नहीं मिलता, लेकिन वे शो और इस मशहूर सिटकॉम में अपने किरदारों में बहुत कुछ नया और खास जोड़ती हैं।

महिलाओं को कम आंका जाता है

उन्होंने कहा, 'मैं इन शानदार महिलाओं के साथ काम करके बहुत खुश हूं। हमारा रिश्ता बहुत अच्छा है और मुझे लगता है कि वे सभी कमाल की हैं।' मुनमुन ने यह भी कहा कि शो की सफलता में बराबर का योगदान देने के बावजूद महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार होती हैं। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी महिलाओं को उतना महत्व नहीं दिया जाता।'

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के 18 साल पूरे

उन्होंने आगे कहा कि कलाकारों के बीच आपसी तालमेल और प्रोफेशनलिज्म की वजह से ही यह सिटकॉम लगभग दो दशकों से दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है। मुनमुन ने कहा, 'हम सभी रोज आते हैं, अपना बेस्ट देते हैं और पूरी ईमानदारी और प्रोफेशनलिज्म के साथ काम करते हैं। कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हम सच में एक-दूसरे के काम की तारीफ करते हैं।' जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 28 जुलाई को 18 साल पूरे करने के बाद 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भारतीय टेलीविजन के सबसे लंबे समय तक चलने वाले सिटकॉम में से एक बन गया है।

वामसी पेडिपल्ली की फिल्म के लिए सलमान खान ने घटाई फीस

सलमान खान का सिनेमा की दुनिया में अलग ओहदा है। वे इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले सितारों में शामिल हैं। फिलहाल भाईजान आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके बाद उनके पास डायरेक्टर वामसी पेडिपल्ली की फिल्म 'SVC63' है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि 'SVC63' फिल्म के लिए उन्होंने अपनी फीस कम की है।

कितनी फीस ले रहे सलमान खान?

रिपोर्ट्स की मानें तो डायरेक्टर वामशी के साथ अपनी आने वाली फिल्म के लिए सलमान खान ने एक चौंकाने वाला फैसला किया है। बताया जा रहा है कि सलमान 'SVC63' के लिए 70 करोड़ रुपये बतौर फीस ले रहे हैं। आमतौर पर उनकी फीस फिल्मों के लिए 120 करोड़ रुपये होती है। मगर, वामसी के लिए मिलने वाली रकम काफी कम है।

भाईजान ने दोस्ती की खातिर लिया फैसला?

इंडस्ट्री से जुड़े एक शख्स के मुताबिक, यह फैसला रफी काजी के साथ सलमान की दोस्ती की वजह से लिया गया। कहा जाता है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को शुरू करने में मदद की और वे इसके प्रोड्यूसर में से भी एक होंगे। सूत्र ने 'फ्री प्रेस जर्नल' को बताया, 'सलमान, जिनकी मार्केट वैल्यू पिछले लगभग 20 वर्षों से हर फिल्म के लिए 120 करोड़ रुपये से ज्यादा रही है। मगर, उन्होंने स्क्विड63 के मेकर्स को यह छूट इसलिए दी है, क्योंकि उनके पुराने दोस्त रफी काजी इस प्रोजेक्ट में मीडिएटर हैं'।

क्या मुनाफे में हिस्सा लेंगे सलमान?

बता दें कि इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे। वहीं, रफी का नाम भी फिल्म के निर्माताओं में शामिल होगा। दोस्ती की वजह से ही सलमान अपनी फीस में बड़ी कटौती करने के लिए तैयार हुए हैं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि सलमान ने फिल्म के मुनाफे में हिस्सेदारी के लिए कोई बातचीत की है या नहीं। सूत्रों का कहना है कि उन्हें किसी भी बैकएंड डील के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

बॉलीवुड छोड़ना चाहती थीं यामी गौतम

माता-पिता ने बहुत साथ दिया

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने बताया है कि एक समय ऐसा आया था, जब वह बॉलीवुड छोड़ने ही वाली थीं। यामी ने माना कि 2019 में 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'बाला' फिल्मों ने उनके करियर की दिशा बदल दी। 'विकी डोनर' (2012) से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि बेहतर मौकों के इंतजार में ऐसे रोल भी स्वीकार करने पड़ते थे जो पसंद नहीं थे।

हिमाचल जाना चाहती थीं यामी

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कभी बॉलीवुड छोड़ने के बारे में सोचा था? इस पर यामी ने कहा 'हां। असल में, 'उरी' और 'बाला' से ठीक पहले, मैंने इंडस्ट्री को पूरी तरह छोड़ने का मन बना लिया था। मैंने सोचा था कि मैं हिमाचल लौट जाऊंगी। वहां हमारी खेती की जमीन है। मैंने एक बिल्कुल अलग जिंदगी शुरू करने के बारे में सोचा था। मेरे माता-पिता ने मेरा बहुत साथ दिया। उन्होंने बस इतना कहा, 'घर आ जाओ'।'

अभिनेत्री ने सीखी एक चीज

37 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि इस अनुभव ने उन्हें उनके करियर का एक बहुत जरूरी सबक सिखाया। वह यह कि अपने फैसलों पर डर को हावी न होने देना। 'उरी' ने न सिर्फ यामी गौतम के करियर को आगे बढ़ाया, बल्कि उन्हें डायरेक्टर आदित्य धर के करीब भी लाया, जिनसे वह फिल्म के सेट पर मिली थीं। बाद में दोनों ने 2021 में शादी कर ली और 2024 में उनके घर पहले बच्चे, एक बेटे 'वेदविद' का जन्म हुआ। इतने वर्षों में यामी ने कई तरह की फिल्में की हैं, जिनमें 'दसवीं', 'चोर निकल के भागा', 'ओएमजी 2', 'हक' और 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्में शामिल हैं।

यामी को मिला नेशनल फिल्म अवॉर्ड

हाल ही में उन्हें 'आर्टिकल 370' में उनकी बेहतरीन एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। यह फिल्म भारतीय संविधान के आर्टिकल 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का स्पेशल स्टेटस खत्म किए जाने की 2019 की घटना पर आधारित है।

सलमान की सलाह पर अपना नाम बदलकर कियारा रखा

कियारा आडवाणी आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपनी सादगी और अभिनय के दम पर लाखों लोगों का दिल जीता। उनके इस स्टारडम के पीछे अभिनेता सलमान खान का खास योगदान रहा।

दरअसल, सलमान ने कियारा को सलाह दी थी कि अगर उन्हें इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनानी है, तो उनकी पहचान भी सबसे अलग होनी चाहिए। इस सलाह के बाद एक्ट्रेस ने ऐसा कदम उठाया कि वह दुनियाभर में पहचानी जाने लगीं। उनका असली नाम आलिया आडवाणी है। जब कियारा फिल्मों में आने की तैयारी कर रही थीं, तब उनका नाम आलिया आडवाणी था। उस समय आलिया भट्ट बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना चुकी थीं। ऐसे में सलमान खान ने उन्हें सलाह दी कि अगर वह इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाना चाहती हैं, तो उन्हें एक अलग नाम अपनाना चाहिए। कियारा ने कई इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान की सलाह पर उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया। यह नाम उन्हें प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'अंजाना अंजानी' के एक किरदार से पसंद आया था। बाद में यही नाम उनकी नई पहचान बन गया।

साल 2014 में कियारा ने फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। साल 2016 में उनकी किस्मत बदली। उन्हें 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' में साक्षी धोनी का किरदार निभाने का मौका मिला। यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई और कियारा को पूरे देश में पहचान मिल गई। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म 'भारत अने नेनु' में महेश बाबू के साथ काम किया। यह फिल्म भी सुपरहिट रही और कियारा ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली।

साल 2018 में नेटफ्लिक्स की 'लस्ट स्टोरीज' में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। इसके बाद 2019 में रिलीज हुई 'कबीर सिंह' उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल हो गई। फिल्म में उन्होंने प्रीति का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी साल आई 'गुड न्यूज' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इस फिल्म में अभिनय के लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला। इसके बाद कियारा ने 'गिल्टी', 'लक्ष्मी', 'इंदू की जवानी', 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुगजुग जियो', 'गोविंदा नाम मेरा', 'सत्यप्रेम की कथा', 'गेम चेंजर' और 'वॉर 2' जैसी फिल्मों में काम किया। 'शेरशाह' और 'सत्यप्रेम की कथा' में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई और इन फिल्मों के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन भी मिला।

एक्टिंग में ईमानदारी सबसे जरूरी

प्रियंशी यादव ने टीवी की दुनिया में अलग पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने करियर में कई किरदार निभाए और हर प्रोजेक्ट से कुछ नया सीखा। उन्होंने गुरु पूर्णिमा को लेकर अपनी जिंदगी के उस शख्स का जिक्र किया, जिसने उन्हें सिर्फ एक बेहतर कलाकार ही नहीं, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने में भी मदद की।

जब प्रियंशी से पूछा कि ऐसा कौन सा किरदार, भूमिका या अनुभव रहा, जिसने उन्हें एक कलाकार और इंसान के तौर पर बदलने में मदद की, तो उन्होंने कहा, मैंने जिन भी शोज में काम किया है, उन सभी से मैंने कुछ नया सीखा है। हर अनुभव ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की है। मैं कहना चाहूंगी कि रोहित राज गोयल के साथ काम करना मेरे सबसे अच्छे अनुभवों में से एक रहा है। उन्होंने मुझे किरदार को समझना, उसे स्वाभाविक तरीके से निभाना और सबसे जरूरी बात, किरदार को सिर्फ परफॉर्म करना नहीं, बल्कि उसे जीना सिखाया। अभिनेत्री ने कहा कि एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह होती है कि वह अपने किरदार के साथ ईमानदार रहे। उन्होंने बताया कि रोहित राज गोयल ने उन्हें समझाया कि किसी भी सीन को करते समय कलाकार को सिर्फ अपनी लाइन बोलने पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि उस किरदार की भावनाओं को महसूस करना चाहिए। यही बात अभिनय को खास बनाती है।

प्रियंशी ने बताया, शुरुआत में मैं कई बार शूटिंग से पहले काफी घबरा जाती थी। किसी सीन को करने से पहले चिंता होने लगती थी और मैं नर्वस महसूस करती थी। तब रोहित ने मुझे एक ऐसी सलाह दी, जिसने मेरी सोचने का तरीका बदल दिया। रोहित ने मुझसे कहा कि जिस दिन अंदर से घबराहट और बेहतर करने की इच्छा पूरी तरह खत्म हो जाए और यह सोचना शुरू हो जाए कि मुझे सब आता है, तो आप उस दिन से एक अच्छा कलाकार नहीं बन पाओगे। एक अभिनेता के अंदर हमेशा यह भावना रहनी चाहिए कि वह अपने काम को और बेहतर कर सकता है। प्रियंशी ने कहा, इस सीख ने मुझे काफी प्रभावित किया। नर्वस होना या किसी सीन को लेकर चिंतित होना गलत नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि कलाकार अपने काम को लेकर गंभीर है। लेकिन, उस डर को संभालकर अपने अभिनय में ईमानदारी लाना जरूरी है। प्रियंशी यादव इन दिनों जी टीवी के शो तुझसे है राब्ता दिल में में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस शो में वह वृंदा का किरदार निभा रही हैं। शो की कहानी तीन किरदारों संजय, स्वाति और वृंदा की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी राहें आपस में जुड़ती हैं और रिश्तों, भावनाओं और कई उतार-चढ़ाव से भरा सफर शुरू होता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।